राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 21 जून 2023 वर्ष–6,अंक–147 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस ने नड्डा, अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ करायी शिकायत दर्ज

बेंगलुरू। कर्नाटक कांग्रेस ने पार्टी नेता राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ शहर की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

कांग्रेस ने इसके अलावा चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष अरुण सूद के खिलाफ श्री गांधी का एक एनिमेटेड वीडियो जारी करने के लिए भी शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि कांग्रेस देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रवक्ता रमेश बाबू ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 505 (2), 553 (ए), 120 (बी), 34 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा क श्री मालवीय ने 17 जून को अपने आधिकारिक अकाउंट से वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें दावा किया गया था कि श्री गांधी भारत के बाहर अपनी यात्राओं पर राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होते हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और श्री गांधी देश को तोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने भाजपा द्वारा चलाए जा रहे झूठ की फैक्टरी को बंद करने का फैसला किया है। भाजपा इससे बच सकती, क्योंकि यहां उनकी सरकार थी। तब तथ्य-जांच इकाई बंद हो गई थी। अब तथ्य-जांच इकाई को मजबूत किया जाएगा। मैं (प्रियांग खड़गे) पहले ही मुख्यमंत्री से बात कर चुका हूं। खड़गे ने कहा कि सर्वश्री नड्डा, मालवीय और सूद जैसे लोगों को उनके द्वारा अपने खातों से फैलाए गए 'झूठ' को साबित करना होगा।

5 राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी की रणनीति, यहां कोई सीएम फेस नहीं, लोकल मुद्दों पर फोकस होगा

मई 2023 में कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में दोबारा सरकार नहीं बना सकी। कांग्रेस ने यहां बहुमत हासिल किया था।

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत 5 राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने रणनीति तैयार कर ली है। इसमें दो बातें अहम हैं। पहली यह कि पांचों राज्यों में चुनाव सामूहिक नेतृत्व में लड़ा जाएगा। यानी किसी भी नेता को सीएम फेस के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किया जाएगा। दूसरी बात यह कि स्थानीय मुद्दों पर फोकस रहेगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि छग, राजस्थान और तेलंगाना में सीएम प्रोजेक्ट नहीं किया जाएगा। मप्र और मणिपुर में भाजपा की सरकार है, इसलिए वहां सीएम का चेहरा प्रोजेक्ट करने की जरूरत नहीं है। क्या मप्र में शिवराज के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा? इस सवाल पर भाजपा के एक महासचिव ने कहा कि सामूहिक नेतृत्व में सीएम, पूर्व सीएम और सभी बड़े नेता आते हैं।

मप्र : पूरे भाजपा काल की उपलब्धियां बताएंगे

भाजपा मप्र में किन उपलब्धियों को आगे रखकर चुनाव में उतरेगी? इस सवाल पर एक वरिष्ठ ने कहा- 'पिछले 4 साल में राज्य सरकार ने क्या किया, यही मुद्दा नहीं है। शिवराज के पूरे शासनकाल में मप्र किस तरह 'बीमारू प्रदेश' का दाग मिटाने में कामयाब रहा, लोगों को यह बताएंगे। किस उपलब्धि को कैसे रखना है, अभी नहीं बता सकते।'

राजस्थान : दलितों-पिछड़ों की दुर्दशा जैसे मुद्दे उठेंगे

भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने बताया कि राजस्थान में दलितों-पिछड़ों की दुर्दशा, महिलाओं का उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और वादाखिलाफी प्रमुख मुद्दे हैं। हम इन्हें चरणबद्ध तरीके से उठाएंगे और बताएंगे कि सरकार बदलने के बाद हम इन मुद्दों पर कैसे काम करेंगे।

भोपाल में आयोजित कार्यक्रम ऊर्जावान कार्यकर्ताओं से संवाद का बनेगा साक्षी : मोदी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी 27 जून को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं से होने वाले उनके संवाद के संबंध में कहा है कि ये कार्यक्रम पार्टी के ऊर्जावान कार्यकर्ताओं से संवाद का साक्षी बनेगा।

श्री मोदी ने कल देर रात अपने ट्वीट में कहा कि 27 जून को भोपाल में आयोजित 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम हमारी सकारात्मक राजनीति को एक नया संकल्प और एक नई शक्ति प्रदान करने वाला है। यह दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए समर्पित भाजपा के लाखों ऊर्जावान कार्यकर्ताओं से संवाद का साक्षी बनेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी आगामी 27 तारीख को प्रदेश के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। इस दिन वे देश भर की लोकसभाओं से चयनित पार्टी के कार्यकर्ताओं से संवाद करने वाले हैं। पार्टी ने इस कार्यक्रम के लिए देश भर की लोकसभाओं में प्रत्येक से पांच-पांच कार्यकर्ताओं का चयन किया है। मोदी के इसी ट्वीट को कोट करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं की ऊर्जा और संकल्प शक्ति से 27 जून का दिन स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होने वाला है। भोपाल में आयोजित मेरा बूथ, सबसे मजबूत कार्यक्रम पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं को एक नई दिशा देगा।

भगवान नहीं, भक्त हैं बजरंगबली, उन्हें भगवान हमने बनाया; मनोज मुंतशिर के बयान पर मचा बवाल

नई दिल्ली। प्रभास और कृति सेनन की फिल्म 'आदिपुरुष' विवादों में फंसती चली जा रही है। पहले फिल्म के सीन्स और डायलॉग्स की आलोचना हो रही थी। वहीं अब मनोज मुंतशिर के बयान पर बवाल मचा हुआ है। दरअसल, हाल ही में 'आदिपुरुष' के डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर ने यह दावा किया है कि 'हनुमान जी, भगवान नहीं भक्त हैं'। जब से मनोज मुंतशिर का यह बयान सामने आया है तब से सोशल मीडिया पर उन्हें बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा है।

यह था मनोज मुंतशिर का पूरा बयान

'आदिपुरुष' की रिलीज के बाद से ही मनोज मुंतशिर की आलोचना हो रही है। लोगों को उनके द्वारा लिखे गए डायलॉग्स खासकर बजरंगबली के डायलॉग्स पसंद नहीं आ रहे हैं। ऐसे में मनोज मुंतशिर ने आज तक को दिए इंटरव्यू में अपना बचाव करते हुए कहा, बजरंगबली ने श्री राम की तरह संवाद नहीं किए हैं। क्योंकि वे भगवान नहीं, भक्त हैं। हमने उन्हें भगवान बनाया है क्योंकि उनकी भक्ति में वो पावर था।

यूजर्स ने किया रिएक्ट

मनोज मुंतशिर के इस बयान की वजह से लोग और भड़क गए हैं। वे सोशल मीडिया पर ट्वीट कर मनोज मुंतशिर को इंटरव्यू न देने की सलाह दे रहे हैं। एक ने लिखा, सबसे पहले मनोज मुंतशिर को इंटरव्यू देना बंद कर देना चाहिए। दूसरे ने कहा, अपनी जांच करवाओ। तीसरे ने लिखा, हनुमान जी भगवान शिव के अवतार थे, इस मूर्ख व्यक्ति के पास दिमाग नहीं है और यह रामायण के संवाद लिख रहा है। चौथे यूजर ने लिखा, ÷कृपया कोई इसे चुप कराओ।

3 सुझाव और साथ का भरोसा, दिल्ली में क्राइम पर अरविंद केजरीवाल का एलजी को लेटर

नई दिल्ली। दिल्ली में एक के बाद एक कई हत्याओं के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलजी वीके सक्सेना को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली का हर नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहा है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में कानून-व्यवस्था के लिए एलजी और गृह मंत्री को जिम्मेदार बताते हुए कुछ सुझाव भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते अपराधों को लेकर उपराज्यपाल के साथ अपने मंत्रिमंडल की बैठक का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा है कि नागरिकों, विधायकों और RWA के साथ मिलकर कानून व्यवस्था सुधारी जाए। इसके अलावा थाना लेवल कमिटी फिर से शुरू करने की मांग की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने रात में पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ाने की भी मांग की है। केजरीवाल ने दिल्ली में 24 घंटे में 4 हत्याओं का जिक्र करते हुए एलजी वीके सक्सेना से कानून व्यवस्था पर तत्काल ध्यान देने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोगों में सुरक्षा को लेकर भरोसा पैदा करने के लिए तुरंत कुछ प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। 2 करोड़ जनता की ओर से मिली संवैधानिक जिम्मेदारी का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि वह दिल्ली में कानून व्यवस्था को कायम रखने के लिए सभी संभव सहयोग के लिए तैयार हैं। केजरीवाल ने एलजी और केंद्रीय गृह मंत्रालय को दिल्ली की कानून-व्यवस्था के लिए जिम्मेदार बताते हुए कहा कि पिछले साल के एनसीआरबी डेटा से आंख खुलनी चाहिए थी, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने एनसीआरबी डेटा का हवाला देते हुए कहा कि 19 मेट्रोपोलिटिन शहरों में महिलाओं के खिलाफ हुए कुल अपराध में से करीब 32.20 फीसदी सिर्फ दिल्ली में हुए।

हाफ पैंट से फटी जींस तक पर बैन, एनसीआर के इस हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ड्रेस कोड हुआ लागू

गाजियाबाद। गाजियाबाद के संजय नगर में स्थित हनुमान मंदिर में भी अब श्रद्धालुओं के ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। मंदिर की प्रबंध समिति ने श्रद्धालुओं के हाफ पैंट, रिप्ड जींस, स्लीवलेस टी-शर्ट और छोटे कपड़े पहनकर मंदिर आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। गाजियाबाद जिले में मंदिर परिसर में ड्रेस कोड लागू होने का संभवत यह पहला मामला बताया जा रहा है। संजय नगर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में प्रबंध समिति ने हाफ पैंट, निक्कर, स्लीवलेस टीशर्ट, रिप्ड या फटी हुई जींस, गमछा आदि पहनकर मंदिर में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके लिए मंदिर समिति के मुख्य ट्रस्टी बीके अग्रवाल की ओर से अंदर और बाहर सूचना लगा दी गई है। इसमें सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि भारतीय संस्कृति के मुताबिक कपड़े पहन कर मंदिर में प्रवेश करें, दूसरों का ध्यान भटकाने वाले कपड़े पहनकर मंदिर में पूजा-अर्चना करने न आए। मंदिर के पंडित सुरेंद्र तिवारी ने बताया कि पिछले काफी समय से श्रद्धालु पाश्चात्य संस्कृति के परिधान पहनकर मंदिर आ रहे थे। छोटे कपड़े पहनने की वजह से दूसरे श्रद्धालुओं

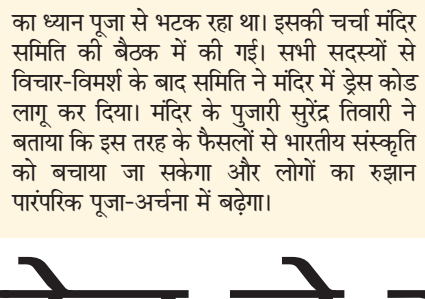

का ध्यान पूजा से भटक रहा था। इसकी चर्चा मंदिर समिति की बैठक में की गई। सभी सदस्यों से विचार-विमर्श के बाद समिति ने मंदिर में ड्रेस कोड लागू कर दिया। मंदिर के पुजारी सुरेंद्र तिवारी ने बताया कि इस तरह के फैसलों से भारतीय संस्कृति को बचाया जा सकेगा और लोगों का रुझान पारंपरिक पूजा-अर्चना में बढ़ेगा।

खत्म होगा गर्मी का सितम, लू की मार; एमपी से बिहार तक बारिश के आसार

नई दिल्ली। गर्मी की मार और मॉनसून का इंतजार, फिलहाल आम जनता की चर्चाएं इनके इर्द गिर्द ही घूमती नजर आ रही हैं। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी ढ्ढस्रू ने राहत की खबर दी है। विभाग ने सोमवार को बताया कि मंगलवार से भारत के पूर्वी और इससे सटे हिस्सों में हीट वेव की स्थिति कम होने जा रही है। साथ ही मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए भी स्थितियां अनुकूल हैं। पूर्वोत्तर भारत में दो दिनों के दौरान भारी बारिश हो सकती है।

पहले मॉनसून का ताजा हाल

दक्षिण पश्चिम मॉनसून कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार के कुछ हिस्सों में पहुंच गया है। मौसम विभाग ने संभावनाएं जताई हैं कि

2-3 दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में भी पहुंच सकता है। मानसून पहले ही केरल में एक सप्ताह की देरी से 8 जून को पहुंचा था।

बिपरजॉय के असर से कहां होगी बारिश

IMD की तरफ से सोमवार दोपहर जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 20 जून को राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं, दो दिनों में उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश में भारी बारिश के असार हैं। जबकि राज्य के पूर्वोत्तर हिस्सों में मंगलवार को मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश में 20 और 21 जून को बरसात के आसार हैं।

यहां भी बारिश की तैयारी

मौसम विभाग ने बताया है कि 21 और 22 जून को बिहार और झारखंड, ओडिशा में 21 से 23 जून और गंगीय पश्चिम बंगाल में 21 और 22 जून को बारिश हो सकती है। साथ ही अगले पांच दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश के आसार हैं। दक्षिण भारत के तमिलनाडु में 20 जून और तटीय आंध्र प्रदेश में 21 जून तक भारी बारिश हो सकती है।

गर्मी के हाल

IMD ने बताया है कि पांच दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और भारत के पूर्वी हिस्सों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में दो दिनों के दौरान लू चल सकती है। हालांकि, सोमवार को मौसम विभाग ने दो दिनों के बाद राहत की संभावनाएं जताई हैं।

भूपेंद्र पटेल ने सोने की झाड़ू लगा कर की भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की शुरूआत

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यहां मंगलवार को सुबह रथयात्रा के मार्ग में सोने की झाड़ू लगाने की ÷पहिंद÷ विधि पूरी कर भगवान जगन्नाथ की 146वीं रथयात्रा की शुरूआत की।

अहमदाबाद के जमालपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर से रथयात्रा आज सुबह सात बजकर पांच मिनट रवाना हुई। रथयात्रा पुराने शहर के शाहपुर और दरियापुर जैसे संवेदनशील विस्तारों से परंपरागत मार्गों पर होकर शाम को साढ़े आठ बजे निज मंदिर में वापस आएगी। अहमदाबाद की भगवान जगन्नाथ रथयात्रा जगन्नाथपुरी की रथयात्रा की तर्ज पर ही सुबह निकली जिसमें भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम के साथ भगवान खुद भक्तों को दर्शन देने नगर यात्रा पर निकले हैं। रथयात्रा दोपहर बाद भगवान के ननीहाल मामा, मौसी के घर के प्रतीक स्वरूप सरसपुर पहुंचेगी जहां विश्राम के बाद देर शाम वापस मंदिर लौट आएगी। सरसपुर में हजारों श्रद्धालु प्रसाद स्वरूप भोजन भी करेंगे।

श्री पटेल ने इस अवसर पर कहा कि, ÷हमारी संस्कृति और परंपरा के अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अहमदाबाद शहर

में रथयात्रा निकल रही है, तब मैं सभी लोगों को रथयात्रा की शुभकामनाएं देता हूं।÷ भगवान जगन्नाथ जी के चरणों में उन्होंने प्रार्थना की है कि रथयात्रा के लिए सभी का उत्साह हमेशा बना रहे और राज्य के नागरिकों की सुख-शांति और समृद्धि में निरंतर वृद्धि होती रहे।

रथ यात्रा की शुरुआत सबसे पहले गजराज से होती है। इसलिए करीब 18 सजे हुए गजराज यात्रा में सबसे आगे हैं। उसके बाद 101 प्रकार की झांकियां ट्रक में सजायी गयी हैं। इस दौरान कसरत के प्रयोग दिखाते हुए 30 अखाड़े, 18 भजन मंडली, तीन बैंडबाजे भी भगवान के रथ के साथ हैं। करीब 2000 से अधिक साधु-संत हरिद्वार, अयोध्या, नासिक, उज्जैन, जगन्नाथपुरी और सौराष्ट्र से इस रथयात्रा में शामिल हुए हैं। रास्ते में 1,000 से 2,000 लोग रथ खींचते रहेंगे। इस रथयात्रा के लिये प्रसाद के भी खास इंतजाम किए गए हैं। जिसमें करीब 30 हजार किलोग्राम मूंग, 500 किलोग्राम जामुन, 500 किलोग्राम आम, 400 किलोग्राम ककड़ी, अनार और खिचड़ी का प्रसाद रथयात्रा के दौरान बांटा जाएगा।

अहमदाबाद के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील पुराने इलाकों से होकर गुजरने वाली रथयात्रा के लिए सुरक्षा के भी कड़े प्रबंध किये गये हैं। रथयात्रा में हजारों पुलिस तथा सुरक्षाकर्मी बंदोबस्त में हैं। रथयात्रा रूट पर रीयल टाइम मॉनिटरिंग, ड्रॉन के माध्यम से पूरी रथयात्रा की निगरानी के साथ तकनीकी युक्त सुरक्षा उपकरणों को भी रथयात्रा में जोड़ा गया हैं। भक्तों को दर्शन देने भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम के साथ खुद नगर यात्रा पर निकले हैं। राज्य की राजधानी गांधीनगर, राजकोट, सूरत, भावनगर, वडोदरा, जामनगर, जूनागढ़, अमरेली, दाहोद समेत राज्य के विभिन्न छोटे बडे शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी रथयात्राएं आयोजित की जा रही हैं। लोगों में रथयात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानव जीवन में योग की महत्ता

- 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योगेश कुमार गोयल

अब प्रतिवर्ष 21 जून को दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। ह्यअंतर्राष्ट्रीय योग दिवसह्न के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे ह्यग्रीष्म संक्रांतिह्न भी कहा जाता है। इस दिन प्रकृति, सूर्य तथा उसका तेज सर्वाधिक प्रभावी रहता है और भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में अत्यंत लाभकारी माना गया है।

पूरी दुनिया इस वर्ष 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। वैश्विक स्तर पर इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। दरअसल योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। यही वजह है कि जिस प्रकार किसी बीमारी के इलाज के लिए आज दवा की जरूरत मानी जाती है, उसी प्रकार स्वस्थ जीवन के लिए दिनचर्या में अब योग आवश्यक माना जाता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत, बगैर किसी खर्च के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह न केवल मानसिक तनाव से छुटकारा दिलाता है बल्कि मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है, जिससे योग करने वाले व्यक्ति के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। यही कारण है कि अब युवाओं में भी योग की लोकप्रियता बढ़ रही है तथा ऐसे युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने वाले मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है।

27 सितम्बर 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा से आव्हान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके और विश्वभर के लोग स्वस्थ जीवन जी सकें। उन्होंने अपने आव्हान में कहा था कि भारत के लिए प्रकृति का सम्मान अध्यात्म का अनिवार्य हिस्सा है। यह भारत के लिए गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी,

जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में ह्यअंतर्राष्ट्रीय योग दिवसह्न के रूप में मनाया जाएगा। 21 जून 2015 को सम्पूर्ण विश्व में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन के खतरनाक प्रभावों के चलते दुनिया भर में लोगों के गिरते स्वास्थ्य की समस्या से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अंगीकृत करने हेतु विश्व के तमाम देशों के नेताओं से आव्हान किया था और इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब किसी राष्ट्र द्वारा दिए गए प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 90 दिनों से भी कम अवधि में लागू कर दिया गया हो। उस समय संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष सैम के. कुटेसा ने कहा भी था कि इस प्रस्ताव को इतने सारे देशों द्वारा समर्थन देने से स्पष्ट है कि लोग योग के फायदों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर योग दिवस मनाए जाने का उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को शारीरिक व मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें योग के माध्यम से इसका समाधन उपलब्ध कराया जाए और योग के अद्भुत व प्राकृतिक फायदों के बारे में लोगों को बताकर उन्हें योगाभ्यास के जरिये प्रकृति से जोड़ा जा सका, जिससे समूचे विश्व में चुनौतीपूर्ण बीमारियों की दर घटाने में अपेक्षित सफलता मिल सके। योग को अपनाकर मानसिक शांति प्राप्त करते हुए हर प्रकार की बीमारियों से सहजता से बचा जा सकता है। लोगों के बीच वैश्विक समन्वय मजबूत करने में भी योग सहायक भूमिका निभा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाए जाने का उद्देश्य यही है कि दुनियाभर में लोगों को शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तथा आध्यात्मिक संतोष के विकास का अनुपम अवसर प्राप्त हो। ह्यअंतर्राष्ट्रीय योग दिवसह्न चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर ही दुनियाभर में मनाया जाता है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री की अगुवाई में ही इस दिन भारत में विशेष आयोजन किया जाता है।

अब प्रतिवर्ष 21 जून को दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। ह्यअंतर्राष्ट्रीय योग दिवसह्न के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे ह्यग्रीष्म संक्रांतिह्न भी कहा जाता है। इस दिन प्रकृति, सूर्य तथा उसका तेज सर्वाधिक प्रभावी रहता है और भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में अत्यंत लाभकारी माना गया है। बहरहाल, योग से न केवल मस्तिष्क की एकाग्रता बढ़ती है बल्कि इससे मांसपेशियों में लचीलापन आता है, शरीर मजबूत बनता है, तनाव और अवसाद दूर होता है, रीढ़ की हड्डी सीधी होती है तथा पीठ दर्द में बहुत आराम मिलता है। इसके अलावा लगभग सभी गंभीर बीमारियों में योग के चमत्कारिक प्रभाव देखे गए हैं। इसलिए स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने तथा रोगों को दूर भगाने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। अब तो आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है।

संपादकीय

जानलेवा गर्मी

हाल के दिनों में यूपी-बिहार समेत देश के कई राज्यों में गर्मी व लू से होने वाली मौतें हमारी गंभीर चिंता का विषय होनी चाहिए। विडंबना यह है कि लगातार बढ़ते तापमान के चलते जहां असहनीय गर्मी से मरने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है वहीं हमारी चिकित्सा सेवाएं उपचार के लिये पर्याप्त नहीं हैं। इसे सीधे तौर पर धरती के लगातार बढ़ते तापमान की परिणति के रूप में देखा जाना चाहिए। यानी कि हमारे दैनिक जीवन में ग्लोबल वार्मिंग का घातक प्रभाव नजर आने लगा है। यह रहस्य की बात है कि उत्तर प्रदेश में चालीस डिग्री से अधिक तापमान के बीच बलिया जनपद में ही सौ से अधिक मौतें हुई हैं। पूरे राज्य व बिहार के आंकड़ों को मिला दें तो चिंताजनक स्थिति सामने आती है। बकौल सरकारी चिकित्सा अधिकारी, मरने वालों में बड़ी संख्या उन लोगों की थी जो उम्रदराज थे और कई अन्य रोगों से ग्रसित भी रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद मौत का आंकड़ा एक खतरनाक संकेत है क्योंकि गर्मी इन मौतों का बड़ा कारण रही है। इसी तरह का संकट बिहार के कई जनपदों में देखने को मिला है। चिंता की बात यह भी है कि अभी मानसून आने में विलंब है और इन इलाकों में जल्दी आसमान से राहत मिलने के आसार नजर नहीं आते। निस्संदेह, मौसम की तल्खी से होने वाली मौतों को कम करने के लिये देश में हीट एक्शन प्लान को सुनियोजित ढंग से लागू करने की सख्त जरूरत है। विडंबना यह है कि मौसम की तल्खी का मुख्य शिकार देश का गरीब तबका ही होता है जो शीतलहर, लू व बाढ़ की चपेट में आता है। विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाला श्रमिक वर्ग। बहरहाल, प्रचंड गर्मी से उपजी हीट वेव से बचने के लिये उत्तर प्रदेश व बिहार आदि राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि जल्द बारिश के आसार नहीं हैं।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल स्थित बलिया में हुई अप्रत्याशित मौतों को लेकर अधिकारी माथापच्ची कर रहे हैं। विशेषज्ञों की टीमें वास्तविक कारण जानने के प्रयास कर रही हैं। वहीं गर्मी बढ़ने के बाद अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। चिकित्सा अधिकारियों की दलील है कि मरने वाले लोग पहले अन्य बीमारियों से ग्रसित थे। लेकिन सवाल चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर भी उठाये जा रहे हैं। मरीजों को पर्याप्त संख्या में बेड व समय पर उपचार न मिलने की बातें भी कही जा रही हैं। इसके विपरीत सरकारी अधिकारी पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं होने की बात कर रहे हैं। उनका दावा है कि उम्रदराज मरीजों में बीमारियां तेज गर्मी के चलते गंभीर हो जाती हैं क्योंकि रोगों का संक्रमण बढ़ जाता है। हालांकि, रोज जीवनयापन के लिये गर्मी में निकलते समय लोग उन सामान्य बातों का ध्यान नहीं रखते जो बाद में लू लगने का कारण बनती हैं। जिसके चलते उन्हें डिहाइड्रेशन की समस्या पैदा हो जाती है। जो लू की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि कर देती है। ऐसे में बढ़ती गर्मी के बीच लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। लेकिन सरकारी अधिकारी आग लगने पर कुआं खोदने की प्रवृत्ति से ग्रसित रहते हैं। निस्संदेह, जनसंख्या दबाव के चलते सरकारी अस्पताल मरीजों के बोझ से चरमरा रहे हैं लेकिन समय रहते बचाव व उपचार की तैयारी जरूरी होती है। यह जानते हुए भी कि देश में गर्मी से मरने वाले लोगों की संख्या में साल दर साल इजाफा होता जा रहा है। वास्तव में देश में मौसम की तल्खी से मरने वाले मरीजों की व्यापक जांच होनी चाहिए और अध्ययन के निष्कर्षों के मुताबिक बचाव व राहत के कार्यक्रम निर्धारित करने चाहिए। सरकारी तंत्र को मौत के आंकड़ों में कमी दर्शाने व गर्मी के बजाय मौत के अन्य कारण बताने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। मौतों का अध्ययन यदि वैज्ञानिक तरीके से पारदर्शिता के साथ किया जायेगा तो इनके कारणों के निष्कर्ष तमाम लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव
।येन भूतान्यशेषाणि दृक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अर्थात- हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नज़रिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

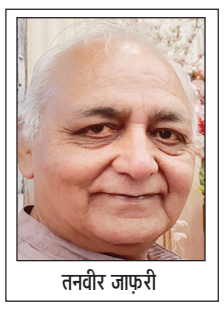

मिथ्या है न खायेंगे न खाने देंगे का उद्घोष : भ्रष्टाचारं सर्वत्र व्यापं

तनवीर जाफ़री

याद कीजिये बंगाल विधानसभा की तनावपूर्ण चुनावी बेला में 31 मार्च 2016 को दोपहर बिन्द्र सरानी के टैगोर स्ट्रीट चौराहे पर निमार्णाधीन फ़्लाई ओवर का एक विशालकाय स्टील गार्डर गिर गया था। व्यस्त इलाका व दिन का समय होने के कारण इसके नीचे से गुजर रहे बहुत से पैदल चलने वाले और अनेक वाहन इसमें दब गये थे। खबरों के अनुसार इसमें 25 लोग मारे गये थे जबकि 75 घायल घायल हुये थे। यह दुर्घटना चुनाव काल में होने के अतिरिक्त दुर्घटना से सम्बंधित कुछ विशेष बयानबाजियों के लिये भी चर्चा का विषय बानी थी। हादसे के बाद इस फ़्लाई ओवर की निमार्ता कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हादसे को ऐक्ट ऑफ गॉड यानी भगवान की लीला कहकर अपना दामन बचाने की कोशिश की थी । परन्तु पुलिस ने दुर्घटना के बाद फ़्लाई ओवर के निर्माण कार्य में लगी कंपनी के खिलाफ एफ आईआर दर्ज की थी । राज्य सरकार ने इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 2-2 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया था। परन्तु भारतीय जनता पार्टी इस मामले को लेकर उस समय बंगाल की ममता सरकार पर चौतरफा हमलावर हो गयी थी। एक तत्कालीन केंद्रीय मंत्री ने तो पुल निर्माण में हुई गड़बड़ी की जांच उइकसे करवाने की मांग तक कर डाली थी। इसी हादसे के फौरन बाद बंगाल के अपने तूफानी चुनावी प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि - यह दैवीय कृत्य है क्योंकि यह हादसा चुनाव के ऐन वक़्त पर हुआ है, ताकि लोगों को पता चल सके कि उन पर किस तरह की सरकार शासन कर रही है। ईश्वर ने यह संदेश भेजा है कि आज यह पुल गिरा है, कल वह (ममता बनर्जी) पूरे बंगाल को खत्म कर देंगी।

प्रधानमंत्री का वही बयान आज खुद उनके गले की फांस बन चुका है। मार्च 2016 के बाद अकेले गुजरात में ही जहां 28 वर्षों से बीजेपी की सरकार है और जिस गुजरात के विकास मॉडल का ढिंढोरा पीटपीट कर नरेंद्र मोदी ने 2014 में देश में गुजरात मॉडल लागू करने का दिव्यस्वप्न देश की जनता को दिखाया था,प्रधानमंत्री के अपने उसी गृह राज्य में अब तक कई ऐसे बड़े हादसे हो चुके हैं जो भ्रष्टाचार एवं मानवीय लापरवाही का जीता जगता सुबूत हैं। मिसाल के तौर पर अक्टूबर 2022 में गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना एक सस्पेंशन ब्रिज टूट गया था। जिसमें उस समय पिकनिक मनाने गये पुल पर सवार सैकड़ों लोग नदी में गिर गए थे जिसमें 135 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि इस पुल का स्वामित्व मोरबी नगर पालिका के पास है परन्तु नगर पालिका ने ओरेवा ग्रुप नामक गुजरात की ही एक कंपनी के साथ एक समझौते के तहत इसे 15 वर्षों के रखरखाव और संचालन के लिये उसे सौंप रखा था। बताया जा रहा था कि सत्ता के किसी करीबी की यह कंपनी एक घड़ी बनाने वाली कंम्पनी है जबकि उसे मोरबी सस्पेंशन ब्रिज जैसे ऐतिहासिक व तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण पुल की मरम्मत व रखरखाव की जिम्मेदारी दे दी गयी। उस हादसे के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधान मंत्री राहत कोष से मोरबी त्रासदी में मारे गए लोगों के परिवार को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की सहायता राशि की दिये जाने की घोषणा की थी। गुजरात सरकार ने भी आर्थिक मदद का एलान किया था। ऐसे ही हादसों के वक़्त विपक्षी नेता पूछते हैं और याद दिलाते हैं -कि मोदी जी मोरबी की यह घटना अूञ्च ड्ढा ऋद्ब है या अूञ्च ड्ढा ऋ्र४ है?

इसी प्रकार अभी गत 14 जून को गुजरात के ही तापी जिले के व्यारा में माईपुर और डेगामा गांवों को जोड़ने वाले रास्ते पर मिंढोला नदी पर बना एक पुल ढह गया। पुल का निर्माण कार्य 2021 में शुरू हुआ था, जिस पर दो करोड़ रुपये खर्च हुए थे। खबरों के अनुसार पुल के निर्माण के दौरान निर्माण सामग्री व गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों की निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार के साथ गर्म बहस भी हुई थी। यह पुल अभी अपने उद्घाटन की प्रतीक्षा में ही था कि ढह गया। जब भी गुजरात में इस तरह के हादसे होते हैं या भाजपा शासित राज्यों में होते हैं तब न तो कोई भाजपा नेता या मंत्री सी बी आई जांच की मांग करता है न ही न खाऊंगा न खाने दूंगा का नारा लगता दिखाई देता है। हाँ जब बंगाल या बिहार अथवा किसी अन्य गैर भाजपा शासित राज्य में इस तरह के हादसे हों उस समय मीडिया की युगलबंदी के साथ भ्रष्टाचार विरोधी बिगुल फूँक दिया जाता है।

निश्चित रूप से भ्रष्टाचार और मानवीय लापरवाही किसी एक दल या राज्य की समस्या नहीं है। अभी पिछले दिनों बिहार के भागलपुर में भागलपुर और खगड़िया जिलों को जोड़ने के लिए सुल्तानगंज के अगुवानी पर निमार्णाधीन गंगा घाट पुल निर्माण के दौरान ही गंगा नदी में समा गया। इससे पहले यही पुल 2022 के अप्रैल में भी गिरा था। यानी 14 महीने में यह पुल दो बार निर्माण के दौरान ही टूट चुका। इस

के निर्माण में 1,770 करोड़ रुपये से अधिक की लागत शामिल थी और इसे 2019 तक पूरा किया जाना था। और भी कई पुल बिहार में निर्माण के दौरान या संचालन के दौरान टूट चुके हैं। यानी भ्रष्टाचार किसी एक राज्य या दल में पायी जाने वाली त्रासदी नहीं बल्कि यह सत्ता के संरक्षण में पनप रही एक राष्ट्रव्यापी समस्या बन चुकी है। न खाऊंगा न खाने दूंगा जैसे उद्घोष दरअसल लोकलुभावन एवं दिव्य स्वप्न रुपी विषय वस्तु बन चुके हैं। इन भाषाओं व वाक्यों का उपयोग केवल स्वयं को सदाचारी व अपने विरोधियों को भ्रष्टाचारी बताने मात्र लिये किया जाता है। जो भी सत्ता में रहता है वह स्वयं या अपने व्यवसायी नेटवर्क के माध्यम से देश की जनता के टैक्स के पैसों को दोनों हाथों से लूटने और लुटाने का काम करता है। चाहे वह परियोजना के नुक़्सान में खर्च हुए धन की शक्ल में हो या मुआवजे के रूप में दी जाने वाली धनराशि। निश्चित रूप से इस नासूर रुपी समस्या से इससे पूरी ईमानदारी से निजात मिलना भी जरूरी है।परन्तु फिलहाल हकीकत तो यही है कि न खायेंगे न खाने देंगे का उद्घोष पूर्णतः मिथ्या है जबकि भ्रष्टाचारं सर्वत्र व्यापं।

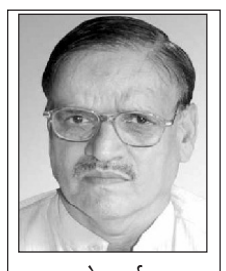

लुभावने वादे : वोट के लिए घूसखोरी?

प्रमोद भार्गव

मध्य प्रदेश में आजकल 5 माह बाद होने वाले चुनावी यज्ञ में कर्ज के घी से मुफ्त की आहुतियां डालने की होड़ मची है जबकि हमारी लोक संस्कृति में उधार लेकर घी पीने की प्रवृत्ति को घातक माना गया है।

लेकिन अब यह प्रवृत्ति इसलिए और घातक हो गई है, क्योंकि राज्य सरकारें कर्ज लेकर खुद तो घी पी ही रही हैं, मतदाता को भी पिला कर उसकी आदत खराब कर रही हैं। जब कोई वस्तु या सुविधा व्यक्ति को मुफ्त मिलने लग जाती है तो वह लती और आलसी हो जाता है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान (ञ्ँ५ृ ञ्ल्लँ उँ४ँल्ल) ने राज्य की संस्कारधानी जबलपुर में प्रदेश की सवा करोड़ लाडली बहनों के खाते में प्रति माह 1000 रुपये डालने की शुरूआत कर दी। यह वादा भी कर दिया कि आगे यह राशि 3000 रुपये तक बढ़ा दी जाएगी। बहनों को स्व-सहायता समूह से जोड़कर लखपति बना देने का भरोसा भी चतुर-सुजान शिवराज ने जता दिया। 12 हजार करोड़ रु पये प्रति माह लाड़ली बहनों को देकर शिवराज कितने मतदाताओं को लुभा पाएंगे यह तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इस बंदरबांट के जरिए उन्होंने यह तो तय कर दिया कि जो राज्य फिलहाल तीन लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है, यह लोक-लुभावन योजना उसे और ज्यादा कर्ज में डुबो देगी। अब बात कांग्रेस की करते हैं। इसी जबलपुर में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी का 12 जून को आगमन हुआ।

पहले उन्होंने नर्मदा नदी के गौरी घाट पर देवी की पूजा-अर्चना की, फिर वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फिर सभा प्रांगण में पहुंच कर पांच प्रकार की मुफ्त में रेवड़ियां बांटने की गारंटी मतदाता को मंच से दे दी। कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद महिलाओं को 1500 रु पये प्रति माह, रसोई गैस सिलेंडर में 500 रु पये की छूट, 100 यूनिट बिजली माफ, 200 यूनिट हाफ, पुरानी पेंशन योजना की बहाली के साथ किसानों की कर्जमाफी भी करेंगे। गोया, प्रदेश के दोनों प्रमुख दल ह्यमुफ्त का चंदन, घिस मेरे नंदनह्न कहावत चरितार्थ करके चुनावी वैतरणी पार करने की होड़ में लगे हैं। हालांकि अब मतदाता इतना जागरूक हो गया है कि वादों के खोखले वादों और वचन-पत्रों के आधार पर मतदान नहीं करता? जानता है कि चुनावी वादों का पुलिंदा जारी करना राजनीतिक दलों के लिए रस्मअदायगी भर है। प्रियंका गांधी ने जो पांच गारंटी मध्य प्रदेश में दी हैं, कमोबेश यही कर्नाटक में दी गई थीं। इस पहल को उचित नहीं कहा जा सकता है।

देश में मध्य प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने निर्धन परिवारों को मुफ्त में एक बत्ती कनेक्शन देने के वादे के साथ मुफ्तखोरी की शुरूआत आठवें दशक में की थी। तमिलनाडू की मुख्यमंत्री रहीं जयललिता ने तो चुनावी वादों का इतना बड़ा पिटारा खोल दिया था कि मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया था। इस याचिका में अन्नाद्रमुक की चुनावी घोषणा पत्र को भ्रष्ट आचरण मानते हुए असंवैधानिक ठहराने की मांग की गई थी, लेकिन न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी थी। कहा कि घोषणा-पत्रों में दर्ज पलोभनों को भ्रष्ट आचरण नहीं माना जा सकता। चुनाव का नियमन जनप्रतिनिधित्व कानून के जरिए होता है, और उसमें ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिसके तहत इसे गैर-कानूनी या भ्रष्ट कदाचरण ठहराया जा सके। न्यायालय ने लाचारगी जताते हुए कहा था कि इस तरह के मामलों में हस्तक्षेप करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। लिहाजा, इस मसले पर विचार कर कारगर निर्णय लेने का कोई कदम विधायिका ही उठा सकती है। अदालत की यह लाचारी लोक-लुभावन वादों के जरिए वोट के लिए घूसखोरी बन गई।

जहां तक चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों के इस आचरण पर संज्ञान लेने की बात है, तो दुविधा यह है कि राजनीतिक दलों पर चुनाव आयोग का अनुशासनात्मक नियंत्रण निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के बाद होता है, जबकि ज्यादातर वादे अधिसूचना के पहले जारी हो जाते हैं, और कई वादे तो नेता चुनावी आमसभाओं में आचार संहिता का मखौल उड़ाते हुए भी कर डालते हैं। यहां तक कि अल्पसंख्यक मुस्लिम और सवर्ण ब्राह्मणों तक को आरक्षण देने का वादे किए गए हैं। तिस पर भी विडंबना है कि आदर्श निर्वाचन संहिता के तहत न तो कोई दंडात्मक कानून हैं, और न ही इसकी संहिताओं में वैध-अवैध की अवधारणाएं परिभाषित हैं। आयोग यदि संहिता को लागू कर पाता है तो इसलिए कि राजनीतिक दल उसका सहयोग करते हैं, और जनमत की भावना आयोग के पक्ष में होती है। तय है कि दल यदि आयोग के साथ असहयोग करने लग जाएं तो आयोग हाथ पर हाथ धरे बैठा रह जाएगा। वैसे भी आयोग की जवाबदेही स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने की है, न कि दलों के चुनावी मुद्दे तय करने की? इन विरोधाभासी हालात से शीर्ष न्यायालय परिचित है, इसलिए न्यायालय ने कहा भी है कि ऐसे मुद्दों पर विचार-विमर्श कर कानून बनाने का अधिकार विधायिका को ही है।

विडंबना है कि विधायिका और दल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पलोभन के जिन वादों के मार्फ्त मतदाता को बरगला कर दल सत्ता के अधिकारी हुए हैं, उन वादों को घोषणा-पत्र में नहीं रखने का कानून बना कर अपने ही हाथों से, अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने की गलती क्यों करेंगे?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी रोडवेज की बस और दूध से भरा कैंटर पलटा

फरीदाबाद। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग नम्बर-19 पर आज सुबह लगभग 6.30 बजे यूपी रोडवेज की बस और दूध का कैंटर पलट गया। दिल्ली से आगरा जा रही यूपी रोडवेज की बस अनियंत्रित होकर पलट गई, वहीं हादसा स्थल से थोड़ा आगे दूध का एक कैंटर भी पलटा मिला। हादसे में बस में सवार यात्रियों को हल्की-फुल्की चोटें आई। ड्राइवर और कंडक्टर मौके पर नहीं मिले। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद दूसरी बस में बिठा कर अपने गंतव्य के लिए रवाना कर दिया। अंदाजा लगाया जा रहा है कि दूध कैंटर के ओवरटेक करने के कारण हादसा हुआ। दोनों वाहन संतुलन बिगड़ने से पलट गए। बारिश भी हो रही थी। ऐसे में नींद की झपकी लगने से भी टक्कर लगने का अंदेशा पुलिस को है। सवारियों ने बताया कि बस यूपी रोडवेज की है, जो दिल्ली से उत्तर प्रदेश के आगरा जा रही थी। अचानक बस से ड्राइवर का नियंत्रण छूट गया और बस हाईवे पर पलट गई। सवारियों के अनुसार बस पलटते ही ड्राइवर और कंडक्टर उतरकर भाग गए। थोड़ा आगे दूध का कैंटर पलट गया, जिसका ड्राइवर घायल हुआ है। पुलिस ने बस को हाइड्रा की मदद से उठाया और यातायात को बाधित नहीं होने दिया।

अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों के लिए सरकार की बड़ी पहल ट्रैक्टर अनुदान योजनाः उपायुक्त

पानीपत। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के उझा स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई ट्रैक्टर योजना के तहत 22 किसानों को ट्रैक्टर व 2 सामान्य वर्ग के किसानों को डीएसआर पर सब्सिडी देकर प्रोत्साहित किया। उपायुक्त ने केन्द्र में योजना को लाभ पाने वाले किसानों से बातचीत की व उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति वर्ग के लिए अनेक ऐसी योजनाएं चलाई जा रही हैं जिससे अनुसूचित जाति वर्ग के किसान लाभान्वित हो रहे हैं। उपायुक्त का केंद्र में पहुंचने पर किसानों और कृषि विभाग के अधिकारियों ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने केन्द्र में कृषि एवं कल्याण विभाग द्वारा 10 एकड़ भूमि में डीएसआर द्वारा की गई बिजाई का जायजा भी लिया।

उपायुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह अच्छी पहल है जिससे अनुसूचित वर्ग के किसानों की स्थिति में सुधार होगा। उनके उत्थान के लिए सरकार ने बड़ा मंच प्रदान किया है। कृषि के क्षेत्र में अब नए-नए कीर्तिमान स्थापित होंगे। उपायुक्त ने अपनी रूची अनुसार खरीदकर केन्द्र में ट्रैक्टर सहित पहुंचे किसानों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न किसानों से कृषि संबंधित जानकारी भी हासिल की।

कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक नरहरि सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों के पास जमीन का अभाव है। सरकार की यह योजना उनके लिए भविष्य के द्वार खोलगी। उन्होंने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपनी जमीन के अलावा अन्य किसानों की जमीन ठेके पर लेकर भी कार्य कर इस कृषि क्षेत्र के दायरे को बढ़ाएं। उन्होंने बताया कि अब तक सरकार की इस योजना के तहत 660 किसानों को इस योजना का लाभ दिया जा चुका है। प्रत्येक किसान को 3-3 लाख रुपए की सब्सिडी प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि जो किसान डीएसआर के माध्यम से धान की सीधी बिजाई करते हैं सरकार उन्हें 4 हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन के रूप में प्रदान करती है। जिन किसानों की वैरिफिकेशन हो चुकी है उन्हें 30 जून तक सरकार की इस योजना का लाभ मिल जाएगा व 4 हजार रुपए की राशि उनके खातों में डाल दी जाएगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. वजीर सिंह ने कहा कि सरकार की यह योजना अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों के लिए बड़ी राहत प्रदान करने वाली है। इन अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को मिला योजना का लाभ जसमेर दीवाना, महावीर मिटान, मुकेश शेरा, भूपेन्द्र शेरा, धर्मपाल नवादा, भूप सिंह कवि, फूलवति ऊझा, अनिता नामुंडा, राजरानी नामुंडा, कृष्णचंद रजापुर, साहिल कवि खेड़ा, सतनारायण कवि, रविन्द्र भलौर, वेदपाल गवालड़ा, अजीत कवि, हरप्रित कौर काबड़ी, सुभाष उरलाना कलां, अंकुश उरलाना कलां, राकेश दरियापुर, सोमपाल दरियापुर आदि के नाम प्रमुख हैं। इस मौके पर उपायुक्त वीरेन्द्र कुमार दहिया के अलावा कृषि एवं कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. नर हरिसिंह, कृषि वैज्ञानिक सतपाल सिंह, एसडीओ राजेश भारद्वाज के अलावा केन्द्र व बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

अगवानपुर रेलवे फाटक सड़क निर्माण के चलते 5 दिन रहेगा बंद

गन्नौर। अगवानपुर व राजलू गढ़ी रोड स्थित रेलवे फाटक 36 एसपीएल पर दोनो तरफ रोड़ निर्माण के कारण 21 जून से 25 जून तक 5 दिन बंद रहेगा। इस रेलवे फाटक से होकर गुजरने वाले वाहनों का आवागमन दिन के समय दस घंटे नहीं होगा। फाटक सुबह 9 बजे से रात 12 बजे तक बंद रहेगा। जिसके चलते सैकड़ों लोग प्रभावित होंगे। इस दौरान यातायात व्यवस्था खुबडू रोड रेलवे फ्लाई ओवर से संचालित होंगी।

अगवानपुर- राजलू गढ़ी रेलवे फाटक से प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होता है। इस फाटक से गुजरने वाले वाहन गन्नौर शहर, सोनीपत, पानीपत आदि के लिए जाते हैं। अब रेलवे ने फाटक पर सड़क मरम्मत कार्य कराने का निर्णय लिया है। इन पांच दिनों रोजाना दोनो तरफ सड़क के निर्माण का कार्य किया जाएगा। इस दौरान वाहनों का आवागमन नहीं होगा। इसको लेकर रेलवे के अधिकारियों ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

यह बनाया वैकल्पिक मार्ग

नागरिकों की समस्या को देखते हुए रेलवे ने वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया है। यह वैकल्पिक मार्ग खुबडू रोड फ्लाई ओवर से होकर अगवानपुर व राजलू गढ़ी गांव की तरफ आवागमन हो सकेगा। इसके अलावा सोनीपत जाने वाले वाहन भी बादशाही रोड से होते हुए गन्नौर गांव से सोनीपत जा सकते है।

ट्रेनें नहीं होंगी प्रभावित, 5 दिन फाटक बंद रहेगा ः नागपाल

रेलवे के सोनीपत सीनियर सेक्शन इंजीनियर ओपी नागपाल ने बताया कि रेलवे फाटक पर जो काम होगा, उससे ट्रेनों के संचालन पर असर नहीं पड़ेगा। ट्रेनों को आवागमन सुचारू रहेगा। जबकि फाटक के दोनो तरफ रोड़ निर्माण के कारण 21 जून से 25 जून तक 5 दिन बंद रहेगा।

बंजर धरती को भी उपजाऊ बनाएगा थर्मल प्लांटों का कचरा

करनाल। अच्छी सोच और सही शोध से कचरा भी सोना बन सकता है। ऐसे ही एक शोध का परिणाम है कि अब कोयले से चलने वाले थर्मल प्लांटों से निकले कचरे से बना जिप्सम किसानों के लिए वरदान साबित होगा। वैज्ञानिकों की इस ऐतिहासिक सफलता से देश की 3.77 मिलियन हेक्टेयर क्षारीय भूमि में सुधार संभव हो सकेगा। यानी इसके जरिये देशभर के लाखों किसानों की फसलें लहलहाएंगी। यही नहीं क्षारीय यानी बंजर टाइप भूमि पर भी बढ़िया खेती हो सकेगी। यह सब हो पाया है केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल के वैज्ञानिकों की बदौलत। उन्होंने पहली बार कोयले से चलने वाले थर्मल प्लांटों से निकले वेस्ट फ्लू गैस डि सल्फराइजेशन जिप्सम के कृषि में उपयोग में सफलता हासिल की है। इसके लिए वैज्ञानिकों ने तीन साल कड़ी मेहनत की। नयी शोध को भारत सरकार के पास भेजा जाएगा ताकि कोयले से चलने वाले थर्मल प्लांटों से निकले कचरे से बने जिप्सम को किसानों तक पहुंचाया जा सके। दावा है कि किसान जिप्सम का प्रयोग करने से बंजर भूमि से 2.5 से 3 गुणा तक फसल पैदा कर सकेंगे। यही नहीं वेस्ट कचरे के कारण पर्यावरणीय नुकसान भी नहीं हो पाएगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक जिप्सम का प्रयोग पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में किया जा चुका है। इन प्रयोगों से क्षारीय भूमि में लगाई गई गेहूं और धान की फसल में 3 गुणा तक वृद्धि हुई। वैज्ञानिकों के मुताबिक जिप्सम की देशभर में भारी कमी है। अभी तक खदानों से ही इसे लिया जाता रहा है। खदानों वाला जिप्सम गुणवत्ता के लिहाज से अच्छा नहीं होता। उनके मुताबिक एफजीडी जिप्सम की क्वालिटी 90 प्रतिशत से भी अधिक है। यहीं नहीं वैज्ञानिकों का दावा है कि कचरे से बने जिप्सम के रेट बाजारों में मिलने वाले जिप्सम से काफी कम होंगे। गौर हो कि क्षारीय जमीन उसे कहते हैं जहां लवण यानी नमकीन तत्व ज्यादा होते हैं। शुष्क जलवायु वाले स्थानों में यह लवण श्वेत या भूरे-श्वेत रंग के रूप में मिट्टी पर जमा हो जाता है। यह मिट्टी पूर्णतया अनुपजाऊ एवं ऊसर होती है और इसमें शुष्क ऋतु में कुछ खर पतवार के अलावा और कुछ नहीं उगता। अब जिप्सम के जरिये ऐसी मिट्टी को उपजाऊ बनाया जा सकेगा।

अभी निर्माण कार्य में होता है प्रयोग

वैज्ञानिक डॉ. पारुल सुन्धा ने बताया कि थर्मल प्लांटों से निकले जिप्सम का उपयोग अब तक भवन निर्माण सामग्री आदि में किया जाता है। अब इस जिप्सम का प्रयोग क्षारीय भूमि में सुधार के लिए किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त रूप से क्षारीय मृदा में सुधार व भारी धातुओं के संभावित प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सहभागी परियोजना शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि 3 साल पहले नेशनल थर्मल पावर प्लांट, मध्य प्रदेश के प्रतिनिधि संस्थान में आए और उन्हें वेस्ट जिप्सम के बारे में बताया। एक करोड़ रुपए की लागत का प्रोजेक्ट 2020 में तैयार किया गया, जो तीन साल 2023 में सफल हो पाया। यह शोध कार्य संस्थान के निदेशक डॉ. आरके यादव के दिशा-निर्देश में डॉ. पारुल सुन्धा, डॉ. अरविंद कुमार राय, डॉ. निर्मलेंदु बसाक और डॉ. राज मुखोपाध्याय ने संयुक्त रूप से संपन्न किया ।

नुकसानदायक को बनाया फायदेमंद

वैज्ञानिक डॉ. पारुल सुन्धा ने बताया कि थर्मल प्लांटों से निकली सल्फर डाईऑक्साइड पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए काफी नुकसान दायक साबित हो रही थी। इसे देखते हुए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नए नियम के अनुसार कैल्शियम कार्बोनेट और पानी के घोल को सल्फर डाई आक्साइड पर स्प्रे करने के बाद एफजीडी जिप्सम बनता है।

हिसार एयरपोर्ट से कई शहरों के लिए फ्लाइट की तैयारी

चंडीगढ़। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि गुरुग्राम हेलीपोर्ट राज्य सरकार का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। इसे जल्द शुरू किया जाएगा। केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत हिसार एयरपोर्ट से देश के विभिन्न प्रमुख शहरों के लिए हवाई यात्रा शुरू की जाएगी। उन्होंने नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जुट जाएं। वे सोमवार को चंडीगढ़ में विभाग के अधिकारियों के साथ नागरिक उड्डयन विभाग से जुड़े प्रोजेक्ट की समीक्षा कर रहे थे। दुष्यंत ने गुरुग्राम हेलीपोर्ट से संबंधित अधिकारियों द्वारा सुझाई गई विभिन्न साइट्स के बारे में चर्चा की और जल्द से जल्द इसकी फाइनल रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने उड़ान योजना के तहत हिसार एयरपोर्ट से शुरू किए जाने वाले रूट्स की चर्चा करते हुए कहा कि हिसार से दिल्ली, चंडीगढ़, आदमपुर (पंजाब), देहरादून, गोरखपुर, जयपुर, अमृतसर, कुल्लू, जम्मू समेत अन्य शहरों के लिए हवाई उड़ान शुरू किए जाने की संभावनाएं तलाशें। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 2017 में नागर विमानन मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान की शुरुआत की थी।

सत्संग के लिए मन की पवित्रता जरूरी : रामचरण गुप्ता

हिसार। तरसेम नगर स्थित मंदिर सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता में आज रविवार पर विशेष सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। सत्संग के दौरान मंदिर प्रांगण में भंडारा लगाया गया जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालु बाबा बालकनाथ के भजनों पर जमकर झूमें। श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए मंदिर के मुख्य सेवक राम चरण गुप्ता ने कहा कि सत्संग में मन की पवित्रता जरूरी है। मन की पवित्रता के बिना सत्संग का कोई लाभ नहीं है। उन्होंने कहा कि जैसे साबुन से हम अपने शरीर का मैल साफ करते हैं उसी तरह सत्संग हमारे मन के अंदर के मेल को साफ करता है। मन की पवित्रता से जब अंदर रोशनी होती है तब इंसान बुरे कर्मों की ओर कदम नहीं रखता और सुखी जीवन जीता है। संसार में सुख जीवन जीने के लिए सत्संग सर्वोत्तम साधन है जिससे कि पिछले बुरे कर्मों से भी मनुष्य को मुक्ति मिलती है।

रामचरण गुप्ता ने कहा कि हमें बच्चों को बचपन से ही गुरु की शरण में रखना चाहिए। गुरु की शरण से मिले ज्ञान से बच्चे रास्ता भटकने की बजाय सही मार्ग पर चलते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को ऐसा संस्कारवान बनाओ कि कि हमें धन के पीछे दौड़ने की जरूरत ना पड़े। जब बच्चे संस्कारवान बनकर उन्नति के मार्ग पर दौड़ेंगे तो हमारी धन कमाने की इच्छा वैसे ही कम हो जाएगी। राम चरण गुप्ता जी ने कहा कि सत्संग में लगाया गया एक एक पल कभी व्यर्थ नहीं जाता। रामचरण गुप्ता ने कहा कि हमें बुजुर्गों को कभी बोझ नहीं समझना चाहिए। बुजुर्ग माता-पिता की सेवा कर हम जो आशीर्वाद प्राप्त करेंगे उससे बड़ा कोई आशीर्वाद नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जब हम अपने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा करेंगे तो हमारे बच्चे भी उसी रास्ते पर स्वंय चलना शुरू हो जाएंगे जोकि आने वाले दिनों में हमारे लिए भी शुभ संकेत होंगे।

ग्रुप-सी के 12 हजार पदों के लिए परीक्षा एक और दो जुलाई को

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप-सी के 12 हजार पदों को भरने के लिए प्रक्रिया तेज कर दी है। कुल 32 हजार पदों पर भर्ती के लिए प्रक्रिया चल रही है। पहले चरण में 12 हजार पदों के लिए लिखित परीक्षा का शेड्यूल जारी हुआ है। 12 हजार पदों के लिए 24 व 25 जून को स्क्रीनिंट टेस्ट होना था, लेकिन प्रशासनिक कारणों के चलते इसे टाला गया है। इन पदों के लिए लिखित परीक्षा पहली व दो जून को होगी। इसी तरह से आयोग ने ग्रुप नंबर-49 के अंतर्गत आने वाले पदों के लिए होने वाली परीक्षा को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया है। इन पदों में प्रयोगशाला सहायक, प्रयोगशाला तकनीशियन, डार्क रूम अटेंडेंट, ईसीजी तकनीशियन आदि प्रमुख हैं। इन पदों के लिए होने वाले एग्जाम का शैड्यूल आयोग बाद में जारी करेगा। फिलहाल ग्रुप-सी के 12 हजार पदों के लिए पहली व दो जुलाई को होने वाले एग्जाम की

तैयारियों में आयोग जुट गया है। आयोग चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी का कहना है कि पहली व दो जून को 12 श्रेणियों के पदों के लिए परीक्षा होगी। उनके अनुसार, ग्रुप-सी के 12 हजार पदों के लिए परीक्षा दो शिफ्ट में होंगी। सुबह की शिफ्ट 10ः30 बजे से लेकर दोपहर 12ः15 बजे तक होगी। अभ्यर्थियों को साढ़े आठ से साढ़े नौ बजे के बीच एग्जाम सेंटर में रिपोर्ट करना होगा। इसके बाद दूसरी शिफ्ट दोपहर बाद सवा तीन बजे से शाम को पांच बजे तक चलेगी। इस एग्जाम के लिए उम्मीदवारों को दोपहर 1 बजकर 15 मिनट से 2 बजकर 15 मिनट के बाद परीक्षा केंद्र में पहुंचना होगा। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों का संशय खत्म करने के लिए परीक्षा कैलेंडर तैयार कर रहा है। इससे अभ्यर्थियों को पता चल जाएगा कि किस पद के लिए कब लिखित परीक्षा होगी। इससे अभ्यर्थी अच्छे से परीक्षा की तैयारी कर पाएंगे। उम्मीद है कि 15 दिन में यह कैलेंडर तैयार हो जाएगा जिसके बाद आयोग इसे सार्वजनिक कर देगा। फिलहाल, एचपीएससी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में साइंटिस्ट के पदों पर भर्ती के लिए 25 जून को स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित करेगा।

फिल्म आदि पुरुष पर बैन लगाने को लेकर दिया एडीसी को ज्ञापन

करनाल -विवादास्पद फिल्म आदिपुरुष पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर मेरा गांव मेरा मिशन तथा दर्जन से अधिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने आज राष्ट्रपति के नाम अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली शर्मा को ज्ञापन दिया। भगवान राम के साथ देवी देवताओ के कथित अपमान को लेकर घिरी फिल्म आदिपुरुष के विरोध में ज्ञापन दिया गया द्य इस अवसर पर कहा गया कि बजरंग दल तथा अन्य संगठन थियेटर पर प्रदर्शन कर विरोध करेंगे। उन्होंने सिनेमा घरों को चेतावनी दी कि वह इस फिल्म को न दिखायें अन्यथा विरोध के लिए तैयार रहें । फिल्म %आदिपुरुष% 16 जून को रिलीज हो चुकी है, ओम राउत द्वारा बनाई गई इस फिल्म की रिलीज होते ही ज्यादातर विरोध हो रहा है द्य ,इस फिल्म में रामायण जैसा कुछ भी नहीं है द्य इस फिल्म में हिन्दूओं के भगवान श्री राम और भगवान हनुमान का मज़ाक बनाया गया है द्य इस फिल्म में भगवान के पहनावे और भाषा , डायलॉग भी आपत्तिजनक है जिससे हिन्दू अपने आपको अपमानित महसूस कर रहे हैं द्य इसमें महिलाओं का भी अपमानजनक अभिनय दिखाया गया है द्य सभी कार्यकर्ताओं ने यह मांग की है कि हिंदू धर्म की आस्था को देखते हुए इस फिल्म को तुरंत प्रभाव से बैन किया जाए । कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह फिल्म हिन्दुओं के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश लग रही है इस फिल्म में जो दिखाया गया है, वो हमारे भगवान के चरित्रों के एकदम उलट है, अपमानजनक है,और हमारी संस्कृति का मज़ाक है द्य इस फिल्म ने गलत तरह से पात्रों को दिखाकर हिंदू समुदाय की भावनाओं को आहत किया है। हमारे धार्मिक ग्रंथ रामायण में जिस तरह से भगवान के सभी पात्रों को दिखाया गया है, उससे फिल्म के सभी अभिनय मेल नहीं खाते हैं। इतना ही नहीं, इसमें जिस तरह की भाषा बोली गई है, वो किसी भी धार्मिक ग्रंथ में कभी इस्तेमाल नहीं की गई है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह फिल्म हिन्दुओं के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश लग रही है द्य इस फिल्म के पात्र ऐसे दिखाए गए हैं जो वेशभूषा ,भाषा से हिन्दू धर्म की संस्कृति से कहीं भी मेल नहीं खाते हैं द्य ऐसा खिलवाड़ किसी दूसरे धर्म के साथ करने की कोई हिम्मत भी नहीं कर सकता था बजरंग दल के महामंत्री संदीप राणा ने फिल्म का विरोध करते हुए कहा कि ये फिल्म यहां चलने नहीं दी जाएगी अन्यथा हम जोरदार विरोध प्रदर्शन करेंगें सुख दुख के साथी संस्था से सुखबीर त्यागी ने फिल्म का विरोध करते हुए कहा कि पिछले 70 सालों से हम देख रहे है कि बॉलीवुड की फिल्मों में हिन्दू धर्म की भावनाओं को आहत किया जा रहा है आज भी प्रशासन और सरकार नहीं जागी और सख्त कार्यवाही नहीं की तो आने वाली नस्लें हमें कभी माफ़ नहीं करेंगीं ,अत मेरा प्रशासन से अनुरोध है कि फिल्म बनाने वालों के खिलाफ क़ानूनी कार्यवाही कर फिल्म को बैन करे सार्थक सांस्कृतिक संघ और स्वामी विवेकानंद मंच के अध्यक्ष संजीव लखनपाल ने कहा कि इस फिल्म पर बैन लगाना अति आवश्यक है क्योंकि फिल्म उद्योग वाले ऐसी फ़िल्में बना रहें हैं जिनमें वो हिन्दू मान्यताओं को नष्ट कर रहे हैं द्य सबसे पहले तो इस फिल्म के नाम पर ही मसला है कि राम आदिपुरुष नहीं थे द्य इसमें हमारे भगवान हनुमान का संवाद मूर्ख राक्षस जैसा दिखाया गया है इतने भद्दे संवाद लिखे हैं कि लग रहा है फिल्म बनाने वालों को बिलकुल शर्म नहीं है

जनस्वास्थ्य विभाग ने बरसात से पहले शहर की मुख्य सीवर लाइन की सफाई का कार्य शुरू करवाया

गन्नौर। शहर की मुख्य सीवर लाइन की सफाई का कार्य जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से बरसात से पहले शुरू किया गया है। सीवर सफाई के दौरान विभाग की ओर से गंदगी निकाली जा रही है। दरअसल, जब भी बरसात होती है तो शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। इसलिए प्रत्येक वर्ष मानसून पहुंचने से पूर्व नहर, नाला और सीवर पाइप लाइन की सफाई कराई जाती है। इसे देखते हुए विभाग ने शहर में बनी मुख्य सीवर लाईन की सफाई कराने का निर्णय लिया है। जिससे बरसात होने पर शहर में जलभराव की स्थिति न बने। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बरसात का मौसम आने वाला है इससे पहले प्रयास है कि शहर के सभी इलाकों में सीवर सफाई का कार्य पूरा करा दिया जाए। फिलहाल नगरपालिका रोड पर बने नालों की सफाई का कार्य किया जा रहा है। बरसातों के समय सीवर सफाई नहीं होने के कारण पानी नालों में जाता है। ओवरफ्लो होने के कारण सड़कों पर जमा हो जाता है। इससे आम लोगों को काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। इसी को देखते हुए विभाग द्वारा सफाई का कार्य किया जा रहा है।

गैंगस्टर लिपिन नेहरा ने दिया था वारदात को अंजाम, ठेका हड़पने के लिए चलवाईं गोलियां

गुरुग्राम। शराब ठेके पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। बीते शुक्रवार को शराब के ठेके पर 19 गोलियां गैंगस्टर लिपिन नेहरा के गुर्गो ने चलाई थी। जिसमें एक ग्राहक की मौत हो गई थी और 2 अन्य घायल हो गए थे। गैंगस्टर ने इस ठेके को अपने पिता के नाम करने के लिए एक सप्ताह पूर्व धमकी दी थी। पुलिस ने फिलहाल एक बदमाश को गिरफ्तार कर इसका खुलासा करने का दावा किया है। यदि ठेकेदार पुलिस को इस बारे में सूचना देता तो शायद इस घटना को टाला जा सकता था।

डीसीपी (क्राइम) विजय प्रताप ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि को बीती 16 जून को रात करीब साढ़े आठ बजे पंचगांव चौक के पास स्थित डिस्कवरी वाइन शॉप पर 2 युवकों ने फायरिंग की थी। इस वारदात की सूचना पाकर थाना मानेसर की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। जहां पर 3 व्यक्तियों को गोली लगी थी। वारदात में संदीप नामक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई थी जबकि देशराज शर्मा व राजेन्द्र प्रसाद नामक व्यक्ति गोलियां लगने के कारण घायल होकर हॉस्पिटल में दाखिल कराए गए।

ठेके के मालिक ने बतलाया कि इसने पंचगांव चौक पर डिस्कवरी वाइन के नाम से ठेका खोल रखा है। करीब एक सप्ताह पहले किसी इन्टरनेशनल नम्बर से इसके व इसके भाई के फोन पर 'ठेका उनके नाम कराने व अन्जाम भुगतने' की धमकी दी गई थी, परन्तु इस बारे में इन्होंने पुलिस को सूचना नहीं दी थी।

डीसीपी के अनुसार प्रारम्भिक पुलिस पूछताछ में ज्ञात हुआ कि यह व इसके 2 साथी सौरभ व दीपक नागर गैन्गस्टर लिपिन नेहरा के लिए काम करते हैं और उसी के कहने पर इसने अपने 2 अन्य साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। शिकायतकर्ता से लिपिन नेहरा ने पंचगांव चौक के पास स्थित डिस्कवरी वाइन शॉप उसके पिता दयाराम नेहरा के नाम करवाने के लिए कहा था आरोपी यूपी भागने की फिराक में था। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को आज अदालत से रिमांड पर लिया गया।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैं हत्यारे

डीसीपी क्राइम विजय प्रताप ने यह भी खुलासा किया कि ठेके पर गोलाबारी करने वाले गैंगस्टर लिपिन नेहरा जो 2 साल पहले कनाडा गया था। उसने वहीं से व्हाट्सएप पर ठेके के मालिक को कहा था कि ठेका छोड़कर उसके पिता के नाम कर दे, नहीं तो गंभीर परिणाम होंगे। जब उसने ठेका नहीं छोड़ा तो अपने गुर्गों से यह गोलीकांड और निर्दोष की हत्या कराई है। पुलिस अधिकारी ने यह भी कहा कि लिपिन नेहरा आजकल चर्चा में आए लॉरेंस बिश्नोई गैंगस्टर का ही सदस्य है जिन्होंने पंजाब के सिद्धू मूसे वाला हत्याकांड में हिस्सा लिया था। यह गैंग विदेश से ही संचालित हो रहा है शराब के ठेके पर हुई गोलाबारी और निर्दोष की हत्या का खुलासा पुलिस ने साइबर क्राइम की मदद से ही किया है।

यूपी का रहने वाला शूटर काबू

इस संबंध में थाना मानेसर, गुरुग्राम में अभियोग अंकित किया गया था। डीसीपी क्राइम ने पत्रकारों को बताया कि उप-निरीक्षक ललित कुमार, प्रभारी अपराध शाखा मानेसर की टीम ने उपरोक्त वारदात को अन्जान देने वाले आरोपियों की पहचान करने व उनके ठिकानों के बारे में सूचनाएं एकत्रित की तथा पुलिस टीम के भरसक प्रयासों के परिणामस्वरुप आरोपियों की पहचान करके एक आरोपी को फर्रुखनगर-हेलीमंडी रोड़ पर स्थित गांव डाबोदा से काबू किया जिसकी पहचान रोहित गडरिया, निवासी गाजियाबाद उत्तर-प्रदेश (उम्र 21 वर्ष) के रुप में हुई।

पीसीबी के अगले अध्यक्ष नहीं होंगे नजम सेठी, घमासान के बीच 6 महीने भी नहीं संभाल सके कुर्सी

लाहौर (एजेंसी)। एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में जोरदार घमासान मचा हुआ है। एक तरफ एशिया कप के आयोजन को लेकर लगातार सुर्खियां बन रही है। इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट में नई समस्या आ गई है। इसके साथ ही ये साफ हो गया है कि पाकिस्तान क्रिकेट में इन दिनों कई तरह की उथल पुथल देखने को मिल रही है।

बता दें कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अंतरिम प्रमुख नजम सेठी ने पीसीबी अध्यक्ष पद की दौड़ से हटने का ऐलान कर दिया है। यानी वो सिर्फ छह महीने तक ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की जिम्मेदारी संभालने के बाद इस पद से हट जाएंगे। उन्होंने साफ किया है कि वो बोर्ड में स्थायी पद पर नहीं रहना चाहते है।

गौरतलब है कि रमीज राजा को हटाकर ही नजम सेठी ने पीसीबी के अंतरिम अध्यक्ष पद की कुर्सी हासिल की थी। इस संबंध में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अंतरिम प्रमुख नजम सेठी ने पीसीबी अध्यक्ष पद की दौड़ से हटते हुए मंगलवार को कहा कि वह बोर्ड में स्थायी पद नहीं चाहते। सेठी ने कहा कि वह देश के आला राजनेताओं (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ) के बीच मतभेद का कारण नहीं बनना चाहते। यानी नजम सेठी जरदारी और शरीफ के बीच किसी तरह के विवाद का विषय बनने के लिए तैयार नहीं है। वहीं इसके बाद पीसीबी के अगले अध्यक्ष पद के लिये जाका अशरफ का रास्ता साफ हो गया।

ट्वीट कर दी जानकारी

सेठी ने देर रात ट्वीट किया, ''सभी को सलाम। मैं आसिफ जरदारी और शाहबाज शरीफ के बीच लड़ाई का कारण नहीं बनना चाहता। पीसीबी के लिये इतनी अनिश्चितता और अस्थिरता अच्छी नहीं है। इन हालात में मैं पीसीबी के अगले अध्यक्ष पद का दावेदार नहीं हूं। सभी को शुभकामनायें।'' हाल ही में पाकिस्तान में सत्तारूढ गठजोड़ सरकार में टकराव की नौबत आ गई जब पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी दोनों ने अपने नुमाइंदे को पीसीबी अध्यक्ष पद की दावेदारी में उतारने की बात कही।

इंडोनेशिया ओपन 2023 जीतने के बाद चिराग-सात्विक करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। इंडोनेशिया ओपन जीतने वाली सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ द्वारा जारी ताजा रैंकिंग में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ तीसरा स्थान हासिल किया। राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी ने मौजूदा विश्व चैम्पियन मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक को सीधे गेम में हराकर इंडोनेशिया ओपन जीता था। इसके साथ ही यह सुपर 1000 टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गई।

भारतीय जोड़ी ने बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने के साथ स्विस ओपन भी जीता था। पुरूष एकल में किदाम्बी श्रीकांत तीन पायदान चढकर शीर्ष 20 (19वीं रैंकिंग) में पहुंच गए। लक्ष्य सेन दो पायदान चढकर 18वें स्थान पर पहुंच गए। एच एस प्रणय सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं जो नौवे स्थान पर है।

प्रियांशु राजावत चार पायदान चढकर 30वें स्थान पर पहुंच गए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू महिला एकल में 12वें और साइना नेहवाल 31वें स्थान पर है। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद 16वें स्थान पर बने हुए हैं। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी 33वें स्थान पर जबकि तनीषा क्रास्टो ओर ईशान भटनागर 38वें स्थान पर हैं।

बीसीसीआई और चयन समिति पर भड़के वेंगसरकर , केवल करोड़ों रुपये कमाना ही उपलब्धि नहीं

-भविष्य के लिए कप्तान तैयार करने और बेंच स्ट्रेंथ पर नहीं है ध्यान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर निशाना साधा है। वेंगसरकर ने कहा कि केवल आईपीएल से करोड़ों रुपये की कमाई करना ही उसका लक्ष्य नहीं होना चाहिये। पूर्व कप्तान ने चयन समिति को भी नहीं छोड़ा और कहा कि वह अब तक किसी युवा को कप्तान के लिए तैयार नहीं कर पायी है। उन्होंने कहा कि जब भारत की टीमें अलग-अलग दौरे पर जा रही थीं पर शिखर धवन को दूसरे दर्जे की की टीम का कप्तान बनाया गया जबकि किसी युवा को ये जिम्मेदारी दी जा सकती थी। 2021 और 2022 में भारत ने काफी क्रिकेट खेली। तब चयनकर्ताओं ने कप्तान के रूप में अनुभवी धवन को कुछ विदेशी दौरों पर बी टीम के साथ भेजा था। इसी को लेकर वेंगसरकर ने कहा कि तब चयन समिति ने किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी न देकर गलती की थी। इससे उसके पास भविष्य के लिए कप्तान तैयार करने का अवसर था।

वेंगसरकर ने कहा, निराशाजनक बात यह है कि पिछले छह-सात सालों में मैंने जिन चयनकर्ताओं को देखा है, उनमें न तो दृष्टि है, न ही खेल के बारे में गहरी जानकारी है और न ही क्रिकेट की समझ है। धवन को बी टीम का कप्तान बनाकर भेजा था जबकि इन दौरों के समय किसी युवा को कप्तान के लिए तैयार किया जा सकता था। वेंगसरकर ने कहा कि हालांकि बीसीसीआई ने आईपीएल मीडिया अधिकार बेचकर बहुत अधिक कमाई की है पर इसके बाद भी वे सही बेंच स्ट्रेंथ नहीं बना पाए हैं। इसी कारण भारतीय टीम को हाल के दिनों में कई बड़े मैचों में हार का सामना करना पड़ा है क्योंकि कुछ शीर्ष खिलाड़ी बीच में ही चोटिल हो गए थे।

एशेज टेस्ट: आस्ट्रेलिया पहले टेस्ट में जीत से 174 रन दूर, सात विकेट बाकी

बर्मिंघम।(एजेंसी)। जीत के लिये 281 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट के चौथे दिन सोमवार को दूसरी पारी के तीन विकेट 107 रन पर गंवा दिये। अभी भी आस्ट्रेलिया को जीत के लिये 174 रन की जरूरत है और उसके सात विकेट बाकी है। दूसरी पारी में आस्ट्रेलिया को पहलाझटका ओली रॉबिनसन ने दिया जब डेविड वॉर्नर (36) उनकी गेंद पर विकेट के पीछे कैच दे बैठे। इसके बाद स्टुअर्ट ब्रॉड ने मार्नस लाबुशेन (13) और स्टीव स्मिथ (6) दोनों को विकेट के पीछे जॉनी बेयरस्टो के हाथों लपकवाकर आस्ट्रेलिया को दमदार शुरूआत से वंचित कर दिया।

चौथे दिन का खेल समाप्त होने पर उस्मान ख्वाजा 34 और स्कॉट बोलैंड 13 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले इंग्लैंड की टीम चौथे दिन चाय तक दूसरी पारी में 273 रन पर आउट हो गई। आस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने 80 रन देकर चार और कप्तान पैट कमिंस ने 63 रन देकर चार विकेट लिये। ओली रॉबिनसन ने 27 रन की उपयोगी पारी खेली। उन्होंने आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को 141 रन पर आउट करने के बाद उन्हें अपशब्द कहे थे। रॉबिनसन ने नौवें विकेट के लिये स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ 27 रन जोड़े थे।

इंग्लैंड के लिये सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने टीम को 270 रन के पास पहुंचाया। वह कमिंस की गेंद पर विकेट के पीछे कैच देकर लौटे। इसी मैदान पर 2005 में आस्ट्रेलिया को जीत के लिये 282 रन की जरूरत थी और टीम दो रन से हार गई थी। इस बार उसे 281 रन की जरूरत है और उसके बाद शीर्ष तीन रैंकिंग वाले बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड हैं। इंग्लैंड के पहली पारी के आठ विकेट पर 393 रन के जवाब में आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 386 रन बनाये थे।

43 वर्ष की वीनस विलियम्स ने बर्मिंघम क्लासिक में जीत दर्ज की

बर्मिंघम । सात बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन वीनस विलियम्स ने 43 वर्ष की उम्र में विश्व रैंकिंग में 697वें स्थान पर रहने के बावजूद अपने पसंदीदा ग्रासकोर्ट पर बर्मिंघम क्लासिक में अप्रत्याशित जीत दर्ज की। वीनस ने 48वीं रैंकिंग वाली कैमिली जियोर्जी को पहले दौर में तीन घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 7.6, 4.6, 7.6 से हराया। इस साल के पहले सप्ताह में आकलैंड में हैमस्ट्रिंग में लगी चोट के कारण वीनस छह महीने तक टेनिस से दूर थी। वापसी पर वह नीदरलैंड में लिबेमा ओपन के पहले दौर में 17 वर्ष की सेलाइन नाएफ से हार गई।

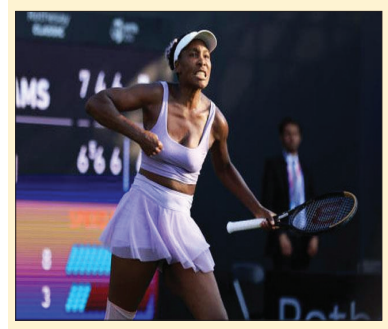

इमर्जिंग महिला टी20 एशिया कप : भारत ए टीम फाइनल में पहुंची

मुम्बई । भारत ए टीम 2023 इमर्जिंग महिला टी20 एशिया कप फाइनल में पहुंच गयी है। श्रीलंका ए टीम के खिलाफ रिजर्व डे पर भी बारिश होने के कारण सेमीफाइनल मैच नहीं होने से भारतीय टीम को अंकों के अधार पर बिना खेले ही फाइनल में जगह मिल गयी। अब भारतीय टीम का मुकाबला बुधवार को खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश ए और पाकिस्तान ए के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। भारत ए टीम को अब तक इस टूर्नामेंट में एक भी मैच में हार का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

श्रीलंका ए टीम - दुलानी, एन सेनारत्ने, पी बादलगे, एस निसानसाला, वी गुणारत्ने, सी विमुक्ति, डी विहंगा, एम शेहानी, आर सेवंडी, यू थिमेशानी, के नुथ्यगना, एन सदामिनी, के कविंडी, एम मेथातानंदा, एम मदारा, एन मदुशानी, एस निसानसाला, एस संदीपनी, टी सेवावंडी

इंडिया ए टीम - श्वेता सहरावत, जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, वी दिनेश, एम मलिक, उमा छेत्री, बी अनुषा, कनिका आहूजा, श्रेयंका तिवारी, तीता साधु, मन्नत कश्यप, काशवी गौतम, एम मदीवाला, पार्शवी चोपड़ा, एस यशश्री।

सैफ चैम्पियनशिप: चैम्पियनशिप में निर्धारित दिन ही होगा भारत - पाकिस्तान का मुकाबला

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप का मुकाबला बुधवार को यहां श्री कांतीरावा स्टेडियम पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेला जायेगा। पाकिस्तान फुटबॉल टीम को सोमवार की रात को भारतीय उच्चायोग से वीजा मिल गया। कर्नाटक प्रदेश फुटबॉल संघ के एक अधिकारी ने बताया ,'' पाकिस्तानी टीम आज शाम या रात को यहां पहुंच सकती है। मैच बुधवार को शाम 7 . 30 पर खेला जाना है। एआईएफएफ स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और हमें यकीन है कि यह मैच निर्धारित समय पर ही होगा।''

मैच यहां श्री कांतीरावा स्टेडियम पर शाम 7 . 30 से खेला जायेगा। पाकिस्तानी टीम मॉरीशस में एक टूर्नामेंट खेलने गई थी और उसकी रवानगी में विलंब हो गया क्योंकि पिछले सप्ताह भारतीय दूतावास बंद था और वीजा को मंजूरी नहीं मिल सकी। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ ने अपने देश के राष्ट्रीय खेल बोर्ड को समय पर एनओसी नहीं देने के लिये दोषी ठहराया था। वहीं खेल बोर्ड ने कहा कि महासंघ ने इस्तावेज जमा करने में विलंब किया जिसकी वजह से देर हुई।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी के पहले मैच में तीन अगस्त को चीन से खेलेगा भारत

चेन्नई । भारतीय पुरूष हॉकी टीम तीन से 12 अगस्त तक यहां होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में पहले दिन चीन से खेलेगी। मेजबान भारत और चीन मेजर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर पहले दिन के आखिरी मैच में आमने सामने होंगे। चीन के बाद भारत का सामना चार अगस्त को जापान से और छह अगस्त को मलेशिया से होगा। इसके एक दिन बाद कोरिया से टक्कर होगी। एशियाई हॉकी महासंघ ने मंगलवार को टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी किया। भारत और पाकिस्तान की टक्कर नौ अगस्त को होगी। छह टीमों के टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, चीन और भारत शामिल होंगे। सभी टीमें एक ही पूल में है और अंकतालिका के आधार पर उनकी स्थिति तय होगी। गत चैम्पियन कोरिया पहले मैच में जापान से खेलेगा। सेमीफाइनल 11 अगस्त को और फाइनल 12 अगस्त को होगा। भारत (2011, 2016, 2018) और पाकिस्तान (2012, 2013, 2018) तीन तीन बार खिताब जीत चुके हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2023 की मेजबानी चेन्नई में करके काफी खुश हैं। मैं चाहता हूं कि भारतीय टीम शीर्ष पर रहे और बाकी टीमें भी उम्दा प्रदर्शन करें।'

एशियाई खेलों के लिए आंदोलनकारी पहलवान कर रहे तैयारी, शुरू की प्रैक्टिस, आईओए लेने जा रहा ये फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों को देखते हुए देश के दिग्गज पहलवानों ने प्रदर्शन को दरकिनार करते हुए अब प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है। एशियाई खेलों का आयोजन चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से होगा जिसके लिए खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस पर ध्यान देना शुरू कर दिया है।

जल्द ही एशियाई खेलों की शुरुआत होने वाली है जिसके लिए तैयारी करने में अब देश के दिग्गज पहलवान भी जुट गए है। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाने वाले पहलवानों में शामिल विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया, गीता फोगाट आदि ने अब आगामी टूर्नामेंट एशियाई खेलों के लिए प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है।

जानकारी के मुताबिक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सेंटर में देश के दिग्गज पहलवानों ने प्रैक्टिस करनी शुरू कर दी है। एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के लिए पहलवानों को पहले क्वालिफाई करने के लिए ट्रायल से होकर गुजरना होगा। अब तक ये जानकारी सामने नहीं आई है कि साक्षी मलिक ने भी प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है या नहीं। माना जा रहा है कि प्रैक्टिस शुरू करने के साथ ही सभी पहलवानों से देश के लिए मेडल लाने की उम्मीद उठी है।

एशियाई ओलंपिक परिषद ले सकता है फैसला

बता दें कि संभावना जताई जा रही है कि एशियाई ओलंपिक परिषद एशियाई खेलों के लिए भारतीय कुश्ती टीम के नाम भेजने के लिए 15 जुलाई की समय सीमा और आगे बढाने के अनुरोध को ठुकरा सकता है। इस संबंध में भारतीय ओलंपिक संघ ने अनुरोध किया है। इसके अनुसार भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को बिना तैयारी के ट्रायल देने होंगे क्योंकि लंबे समय तक चले प्रदर्शन के कारण उन्हें अभ्यास का समय नहीं मिला। एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से होने हैं और आईओए को खिलाड़ियों के नाम 15 जुलाई तक देने हैं। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत प्रदर्शनकारी पहलवान ट्रायल की तैयारी करना चाहते थे जिसकी वजह से उन्होंने खेल मंत्रालय से ट्रायल अगस्त में कराने की गुजारिश की थी। आईओए ने शुक्रवार को पहलवानों की ओर से ओसीए से बात की। एक सूत्र ने बताया कि ओसीए के लिये आईओए के अनुरोध को मानना कठिन होगा। उन्होंने कहा, ''ओसीए को 40 खेल विधाओं में 45 देशों को एशियाई खेलों में देखना है। ऐसे में आईओए का कुश्ती के लिये समय सीमा बढाने का अनुरोध मानना उसके लिये मुश्किल होगा। चार पांच दिन की बात होती तो गौर किया जा सकता था लेकिन 40-45 दिन के लिये समय सीमा बढाना मुश्किल है।''

एशियाई खेलों में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे रोहन बोपन्ना और अंकिता

नयी दिल्ली। युगल विशेषज्ञ रोहन बोपन्ना एक बार फिर एशियाई खेलों की टेनिस स्पर्धा में भारतीय उम्मीदों के ध्वजवाहक होंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने मंगलवार को इन खेलों के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की। एशियाई खेल 23 सितंबर से हांगजोऊ में शुरु होंगे जिसमें पुरुषों की टीम में 43 वर्षीय बोपन्ना के अलावा सुमित नागल, शशिकुमार मुकुंद, डेविस कप खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन, युकी भांबरी और साकेत मायनेनी शामिल हैं। महिलाओं के दल की अगुआई पिछले एशियाई खेलों की एकल कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना करेंगी। एआईटीए के बयान के अनुसार टीम की अन्य सदस्य करमन कौर थांडी, रूतुराज भोसले, सहजा यमलापल्ली, वैदेही चौधरी और प्रार्थना थोम्बरे हैं। भारत ने जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते थे जिसमें बोपन्ना और दिविज शरण की जोड़ी ने कजाखस्तान के एलेक्सजैंडर बुलबिक और डेनिस येल्सेयेव को हराकर युगल स्वर्ण पदक जीता था। पुरुषों के एकल में प्रजनेश गुणेश्वरन ने कांस्य पदक जीता था। पूर्व भारतीय खिलाड़ी रोहित राजपाल को कप्तान नियुक्त किया गया जबकि अंकिता भांबरी महिलाओं की टीम की कप्तान होंगी। बयान के अनुसार, ''पेशेवर चयन समिति (एआईटीए) के चेयरमैन नंदन बाल ने समिति सदस्यों और टीम कप्तानों के महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार करने के बाद खिलाड़ियों के नाम की सिफारिश की।

वर्ल्ड गेम्स 2023 में खुला भारत का खाता, पॉवरलिफ्टिंग में टी. विशाल ने दिलाई पहली सफलता

मुम्बई (एजेंसी)। बर्लिन। वर्ल्ड गेम्स 2023 में स्पेशल ओलंपिक भारत की टीम का खाता रजत पदक से खुला है। पावरलिफ्टिंग में टी. विशाल ने इस साल भारत के लिए पहला पदक जीता। विशाल के अलावा कई अन्य एथलीट अपने-अपने इवेंट्स के फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे हैं। पुडुचेरी के 16 वर्षीय विशाल ने पुरुषों के स्क्वाट (122.50 किग्रा), डेडलिफ्ट (155 किग्रा), बेंच प्रेस (85 किग्रा) और कम्बाइंड में रजत पदक जीता और बर्लिन में स्पेशल ओलंपिक वर्लड गेम्स भारत को पदक तालिका में शामिल किया।

अपने माता-पिता द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किए जाने पर, विशाल ने पैरालंपिक खेलों को देखते हुए ही वास्तव में खेल को अपनाया। उन्होंने तुरंत अपने माता-पिता से उनके लिए एक कोच खोजने के लिए कहा जो उन्हें तकनीक और खेल से जुड़ी जरूरी बातें सिखा सके। इस खेल के साथ पूरे जुनून से जुड़ने के बाद विशाल ने इंटरनेट को उन वीडियो को खोजने के लिए भी खंगाल डाला जो उन्हें बेहतर बनाने में मदद कर सकते थ। यहां से विशाल के लिए यह खेल खतरनाक जुनून बन गया था।

विशाल के पिता को जब अपने बेटे के जुनून के बारे में पता चला तो उन्होंने स्पेशल ओलंपिक भारत के बारे में पता लगाया। उन्होंने इलाके के कोचों और निदेशक से बात की और पूछा कि क्या उन्हें प्रोग्राम में शामिल करने का कोई तरीका है। घर के भीतर हालांकि इन बातों को लेकर हमेशा प्रतिरोध था क्योंकि विशाल की मां एक स्कूल शिक्षिका हैं। उनके अपने परिवार ने उन पर दबाव डाला कि वह आसानी से यह स्वीकार न करे कि विशाल एक विशेष आवश्यकता वाला एथलीट था।

एसओ भारत पुडुचेरी एरिया डायरेक्ट चित्रा शाह कहती हैं, 'अभी भी, जब हम उसके रिजल्ट्स पर चर्चा करते हैं या उससे इस तथ्य के बारे में बात करते हैं कि वह एक विशेष आवश्यकता वाला बच्चा है, तो अक्सर उसकी मां द्वारा कुछ प्रतिरोध दिखाई जाती है। हमने उन्हें न केवल यह स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया बल्कि विशाल को हमारे यहां आने और खेलने देने के साथ-साथ हमारे प्रोग्राम के अंदर खेल का आनंद लेने की आजादी देने के लिए कहा। इससे उसे अपने साथियों के ग्रुप के साथ परफॉर्म करते हुए बेहतर होने में मदद मिलेगी। साथ ही वह सामाजिक रूप से एडजस्ट हो सकेगा।'

विशाल के कोच और चित्रा कहती हैं कि विशाल का विकास देरी से हुआ है और खेलों में आने से उसकी खुद की पहचान बनाने की भावना में काफी सुधार हुआ है। भारी वजन उठाना और वह भी अपनी उम्र के अधिकांश बच्चों की क्षमताओं से परे जाकर, ने उसकी शारीरिक क्षमताओं की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और इससे उसे अपने आसपास की दुनिया के साथ काम करने में मदद मिली है। और अब जबकि उसने रजत पदक जीत लिया है, सबसे पहला संदेश और प्यार मां की ओर से आया है है, जो कि फोन पर बात करते हुए

अपनी भावनाओं का इजहार करते हुए खुशी और गर्व से भरी हुई दिख रही थीं।

विशाल ने टोन सेट कर दिया है और इसी पर चलते हुए कई अन्य भारतीय भी पदक की दौड़ में शामिल हो गए हैं। कई भारतीयों ने विभिन्न खेलों में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। अगर ट्रैक क बात करें तो 800 मीटर धावक आसिफ मलानूर (लेवल बी), सोहम राजपूत (लेवल सी) और गीतांजलि नागवेकर (लेवल डी) अपने इवेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं जबकि लिबिन मल्लिका राजकुमार (लेवल बी) 200 मीटर में फाइनल में पहुंचे हैं। इसी तरह पुरुषों की 4×400 मीटर टीम ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

AAP नेता संजय सिंह बोले भगवान के नाम पर ये धंधा कर रहे बिजली कटौती पर आंदोलन का ऐलान

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को लखनऊ में पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। संजय सिंह ने कहा, "एक फिल्म आई है आदिपुरुष। ये फिल्म भाजपाइयों ने बनवाई है। ये फिल्म भाजपाई नेताओं के आशीर्वाद से बनी है। भगवान के नाम पर ये धंधा कर रहे है। भाजपा के नेताओं को शर्म आनी चाहिए। एक छोट देश नेपाल जिसने आदिपुरुष जैसी फिल्म पर बैन लगाया है। भाजपा के नेता घर में बैठे हैं। सीता माता के कपड़े कैसे हैं। सीता माता की गर्दन पर छुरी लगा दी गई। ये कितनी शर्मनाक बात है। फिल्म बनाने वाले कहते हैं कि हनुमान जी भगवान हैं ही नहीं। क्या भगवान हनुमान के मंदिर में ताला लगा दोगे। संजय सिंह ने कहा, "यूपी में बिजली कटौती से लोगों की जान जा रही है। गोरखपुर में 133 लोगों की जान चली गई। 23 हजार मेगावाट बिजली बाहर से खरीदी जा रही है। उट कहते हैं कि जिला मुख्यालयों पर 24 घंटे बिजली देंगे। कल मैं सुल्तानपुर से आया हूं। वहां 10 घंटे भी बिजली नहीं आती है। 10 सालों से खंबे-तार नहीं बदले गए हैं। संजय सिंह ने कहा, "यूपी में एक लाख कर्मियों की जरूरत बिजली विभाग को है। मात्र 34 हजार बिजली कर्मी काम कर रहे हैं। 66 हजार बिजली कमीयों की जरूरत है। एक मंत्री कहता है कि गर्मी में बुजुर्ग मर जाते हैं। गर्मी में यूपी की जनता का मजाक बनाया जा रहा है।

बिजली कटौती को लेकर आप 22 जून को व्यापक जन आंदोलन करेगी। सरकार से मांग की जाएगी कि बिजली कटौती रोकी जाए। मृतकों के परिवार को नौकरी दी जाए। कर्मियों की भर्ती की मांग करेंगे।" संजय सिंह ने कहा, "दिल्ली में पहलवानों के प्रदर्शन पर संजय ने कहा कि देश के पहलवान की पुलिस बात न सुने, इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण बात कोई नहीं हो सकती। यूनिफॉर्म सिविल कोर्ट में कई विषय है। सरकार की क्या सोच है? उसका ड्राफ्ट जनता के सामने लेकर आए। अभी सरकार के पास कोई विजन नहीं है।" नेता संजय ने कहा, "मणिपुर जल रहा है। केंद्रीय मंत्री और राज्यमंत्री का घर जला दिया। ढट मोदी अमेरिका चले गए। दिल्ली में बैठकर मामला निपटाओ। लाखों लोग सड़कों पर हैं। ऐसी परिस्थिति में वह चले गए। प्रभास स्टारर फिल्म आदिपुरुष रिलीज होने के बाद विवादों में आ गई है। अब यूपी के संतों ने फिल्म के डायलॉग्स को लेकर नाराजगी जताई है। रामलला के मुख्य पुजारी ने कहा- फिल्म का डायलॉग देखकर खून खौलता है। फिल्म पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। दोबारा ऐसा न हो, इसके लिए सरकार को इसका ध्यान रखना चाहिए। वाराणसी के संत जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, "यह भारत के महान आदर्शों के चरित्र के साथ खिलवाड़ है। जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकारा तो नहीं जा सकता है। दर्शक अपने पैसे से पाप न खरीदे।

लखनऊ में आधे घंटे हुई जोरदार बारिश

तूफान बिपरजॉय का असर पूरी तरह से यूपी में भी दिखने लगा है। लखनऊ में सुबह से ही बादल छाए हुए थे। दोपहर में लगातार आधे घंटे तक बारिश हुई। वहीं, सुबह से ही आगरा, कानपुर, मथुरा और बरेली में बारिश हो रही है। पश्चिमी यूपी के 14 जिलों में भीषण बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। जबकि पूर्वांचल के 12 जिलों में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। कानपुर उरअ यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डॉ. रठ सुनील पांडेय ने बताया, "जैसे-जैसे तूफान यूपी के नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे बारिश और तेज हवाओं का असर बढ़ता जा रहा है। आज पश्चिमी यूपी के कई जिलों में तेज बारिश होगी। हालांकि अभी पूर्वी यूपी के 12 जिलों में हीटवेव का असर जारी रहेगा। सोमवार की बात करें तो साइक्लोन के चलते

बिजनौर में आंधी-तूफान आया। तेज हवा से कई दुकानों के टीन शेड उड़ गए। यही नहीं, बिजली खंभे और दर्जनों पेड़ उखड़ गए। इसके अलावा गाजियाबाद, नोएडा और मेरठ समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। कुशीनगर का न्यूनतम तापमान यूपी में सबसे कम 26.8त्ड रिकॉर्ड किया गया। बिपरजॉय का असर 3 दिनों से प्रदेश में देखा जा रहा है। इसके चलते प्रदेश के कई शहरों का अधिकतम तापमान लगातार गिर रहा है। सोमवार को हुई बारिश के बाद यूपी के ज्यादातर शहरों का तापमान 43त्ड से नीचे आ गया है। बादलों की आवाजाही से भी अधिकतम तापमान में कमी आई है। अब मौसम के पूर्वानुमान की बात करें, तो पूर्वी यूपी के 21 जिलों को छोड़कर बाकी सभी जिलों में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। मगर, बारिश होने के आसार नहीं है।

झांसी में बैठकर बांग्लादेश की लोकेशन दिखाई, आधी कीमत में बेचते थे एंटी वायरस साफ्टवेयर

इंडिया के 3 भाइयों ने 1 हजार अमेरिकियों से 50 लाख रुपए ठग लिए। ऐप के जरिए एंटी वायरस साफ्टवेयर बेचने का जाल उन्होंने फैलाया था। पुलिस उन तक पहुंच नहीं सकी, क्योंकि कस्टमर लोकेशन ट्रेस करते तो बांग्लादेश मिलती। गिरोह में ही फूट पड़ने की वजह से झांसी पुलिस 4 लोगों को पकड़ सकी। हालांकि दिल्ली में बैठा मास्टर माइंड तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है। सामने आया कि ये रैकेट डेढ़ साल से ऑनलाइन वर तक धंधा फैलाए हुए था। इस दरम्यान 50 लाख भारतीय करेंसी के ट्रांजेक्शन मिले हैं। लड़कों का ये ग्रुप इस जालसाजी को कैसे अंजाम दे रहा था, इसको पूरी तरह से समझने के लिए झांसी पुलिस ने साइबर एक्सपर्ट की मदद ले रही है। जुलाई 2021 से इस बड़ी ठगी की शुरूआत होती है। झांसी के एसपी ग्रामीण गोपीनाथ सोनी के मुताबिक,"33 साल का करन सिंह गुरसहाय के गांधीनगर मोहल्ला में रहता है। वो दिल्ली की एक साफ्टवेयर कंपनी में जॉब करने गया। कुछ कारणों से उसकी जॉब चली गई। दिल्ली में उसकी मुलाकात अजीत नाम के शख्स से हुई। वो पहले से जालसाजी में संलिप्त था। उसने ही करन को आइडिया दिया। चूंकि साफ्टवेयर से करन पहले भी परिचित था। इसलिए बहुत जल्दी वो इस काम के लिए तैयार हो गया। अतीत ने पहले उसकी ट्रेनिंग कराई। यहां उसके साथ और कौन-कौन था, ये अभी पूछताछ में सामने नहीं आ सका है। उन्होंने बताया,"जुलाई 2021 में करन वापस झांसी आ गया। उसने प्लानिंग कर ली कि अब अपना गिरोह बनाएगा। उसने अपने छोटे भाई 28 साल के लखपत, 24 साल के अजय कुमार और अपने दोस्त बॉबी को साथ में मिलाया। उन्हें अपने साथ काम सिखाया। करन ने स्वीकार किया कि इस जालसाजी के लिए उन्हें वर के लोगों का डेटा चाहिए

था। उन्होंने वहां की एक ऐसी साइट को हैक किया। जिसकी कस्टमर डीलिंग थी। उस वेबसाइट से करन को हजारों लोगों के नाम, पते और फोन नंबर मिल गए। इसके बाद साइबर एक्सपर्ट की मदद से एक एप तैयार कराया। इसके माध्यम से खुद को नोर्टन एंटी वायरस नाम की कंपनी का प्रतिनिधि बनकर विदेशियों से संपर्क करने लगे। अमेरिकन और यूरोपियन लोगों को बल्क में मेल और मैसेज भेजने लगे। जो लोग उनके मैसेज का रिप्लाय देते। उन्हें आधी कीमतों में एंटी वायरस साफ्टवेयर उपलब्ध कराने का झांसा देते और ऑर्डर हासिल कर लेते थे। जाल में फंसने वाले लोग उनको डालर में भुगतान कर देते थे। ऑर्डर मिलने के बाद वह लोगों को फेक एंटी वायरस साफ्टवेयर का लिंक भेज देते थे।" ठगी का पूरा पैसा, डालर में दिल्ली के एक बैंक खाता में आता था। फॉरेन ट्रांजैक्शन दिखाकर बैंक से ही भारतीय मुद्रा में रकम को कंवर्ट कराया जाता था। इसके बाद 4 अन्य बैंक खातों में ये रकम ट्रांसफर हो जाती थी। पुलिस को इन बैंक अकाउंट की डिटेल भी मिल गई है। जिसको बतौर साक्ष्य जांच में शामिल किया गया है। ये लोग पकड़े न जाए, इसलिए ऐप की बेसिक लोकेशन बांग्लादेश रखी थी। इसलिए वर के लोगों की शिकायत पर उन्हें ट्रेस करना मुश्किल हो रहा था। दरअसल, चारों को मोटी कमाई हो रही थी। मऊरानीपुर में किराए के एक कमरे में रहते थे। पिछले दिनों करन के दोस्त से उसका मनमुटाव हुआ। पुलिस सोर्स के मुताबिक, उसी पुलिस तक इस गिरोह की जानकारी पहुंचाई। लेकिन, वो भी बच नहीं सका। पुलिस की छापामारी में वो भी पकड़ा गया। मऊरानीपुर इंस्पेक्टर तुलसी राम पांडेय ने बताया कि एक बैंक खाते की तहकीकात के बाद सामने आया कि 1 साल में करीब 40 लाख रुपए का लेनदेन मिला है। साथ ही, इस जालसाजी के शिकार करीब 1 हजार विदेशी बताए जा रहे हैं। पुलिस को मालूम चला कि फजीर्वाड़े का पूरा खेल दिल्ली, नोएडा, कोलकाता और गुरुग्राम से ऑपरेट होता है। पुलिस के हत्थे चढ़े युवकों ने बताया कि पूरे गिरोह का मास्टर माइंड दिल्ली में है। यह लोग बेहद शातिर हैं। पुलिस की पकड़ में आने से बचने के लिए ही सिर्फ विदेशियों को ही निशाना बनाते थे। डॉलर में भुगतान होने की वजह से यह लोग न्यूनतम शुल्क रखते थे। पुलिस ने 3 भाइयों समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार करके 4 लैपटॉप, 4 मोबाइल और 1 कार बरामद की है। चारों बेहद शातिर जालसाज हैं। चारों लग्जरी लाइफ जीने के शौकीन थे। इससे मिले पैसों से वह अपने शौक पूरे करते थे। नई गाड़ी खरीदने के साथ ही अक्सर घूमने भी चले जाते थे। पड़ोसियों के पूछने पर करते थे कि उनकी फर्म लोगों का सर्वे करती है। बड़ी कंपनियों के लिए वो सर्वे रिपोर्ट तैयार करते हैं।

यूपी में 52,699 सिपाहियों की होगी सीधी भर्ती

यूपी सरकार 52,699 सिपाहियों की सीधी भर्ती करने जा रही है। इसे यूपी पुलिस के इतिहास में सबसे बड़ी भर्ती बताया जा रहा है। इसमें 41,811 सिपाही नागरिक पुलिस में भर्ती होंगे। 8,540 सिपाहियों को पीएससी और 1,341 को विशेष सुरक्षा बल में जाने का मौका मिलेगा।

ऐसा कहा जा रहा है कि 15 जुलाई को इसका नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। इस दौरान 25 लाख तक आवेदन आने की उम्मीद। जल्द ही इसके लिए कार्यदायी संस्था का चयन किया जाएगा। इससे पहले 35,757 पदों पर भर्ती होनी थी। लेकिन पिछले 10 महीने से इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। आपने यहां पांच नौकरियों के बारे में जाना। आपके मन में कुछ सवाल होंगे। इसलिए आप दिए गए वेबसाइट के जरिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन को जरूर देखें। बाकी जिन नौकरियों के बारे में बताया गया है अगर लगता है कि इससे आपके भाई-दोस्त या फिर रिश्तेदार की जरूरत पूरी होती है तो उन्हें यह जरूर भेजें। आखिर में हम 10 लेटेस्ट करेंट अफेयर्स के सवाल-जवाब दे रहे हैं। इन्हें रोज देखिए। हो सके तो सेव करते जाएं। ताकि आगामी परीक्षाओं में यह आपके लिए फायदेमंद साबित हों।

25 जून तक यूपी पहुंच सकता है मानसून

यूपी में 25 से 28 जून के बीच मानसून पहुंच सकता है। आमतौर पर इसे 19 जून तक आ जाना चाहिए था। लेकिन बिपरजॉय चक्रवात ने मानसून की गति पर स्टॉप लगा दिया। इस वजह से मानसून 5 से 8 दिन लेट हो गया है। 5 दिन से मानसून नॉर्थ बिहार के इलाके में ही फंसा हुआ था। अब बिहार से आगे वेस्ट की ओर बढ़ रहा है। दरअसल, प्रशांत महासागर में उठे अलनीनो की वजह से मानसून 7 दिन पहले ही लेट था। फिर बिपरजॉय आ गया। इस वजह से उत्तर प्रदेश समेत पूरे उत्तर भारत में मानसून 10 दिन देरी से आ रहा है। इंडियन मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (क्टऊ) के आंकड़ों को देखने के बाद काशी हिंदू विश्वविद्यालय (इलव) के मौसम वैज्ञानिकों ने अपना मत दिया है। इलव के मौसम वैज्ञानिक प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा, "मानसून लेट होने के साथ ही इस बार बारिश के 10 दिन घट भी सकते हैं। क्योंकि, बिपरजॉय चक्रवात ने मानसून की गति पर ब्रेक लगा दिया है।" वहीं, इस चक्रवात ने अरब सागर की नमी भी पूरी खींच ली है। मानसून के बादल पूर्वी बिहार यानी कि पूर्णिया, भागलपुर आदि जगहों पर 4-5 दिन से जमकर बरसात करा रहे हैं। पुरवा हवा भी अभी तक एक्टिव नहीं थी, जिससे कि बादल उत्तर भारत की ओर आए। इस स्थिति में मानसून के देर होने की उम्मीद काफी ज्यादा है। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा, "आधा जून निकल गया, लेकिन अभी तक प्री-मानसून की भी बारिश नहीं हुई। पहले अलनीनो और अब बिपरजॉय, यह संकेत ठीक नहीं है। हालांकि, मानसून की शुरूआत ताबड़तोड़ नहीं बल्कि, हल्की-फुल्की बारिश से होगी। उन्होंने कहा, "हिंद महासागर की ओर से नमी लेकर आने वाला दक्षिण पश्चिमी मानसून अमूमन 1 जून तक केरल के तट पर दस्तक दे देता था। इस बार इसने 8 जून को दस्तक दिया। मानसून की पहली शाखा

यानी कि केरल वाला बादल अब वेस्ट बंगाल और नॉर्थ ईस्ट में बारिश करा रहा है। वहीं, कनार्टक की ओर से आने वाली मानसूनी हवाओं की दूसरी शाखा अब पूर्वी बिहार तक आकर रुकी हुई है। पटना में प्री-मानूसन की बरसात शुरू हो चुकी है। लेकिन, उत्तर भारत में प्री मानसून 23 जून और मानसून के बादल पहुंचने में 7 दिन तक लग सकते हैं। इलव में जियो फिजिक्स डिपार्टमेंट के अध्यक्ष और मौसम पर काम करने वाले प्रोफेसर जीपी सिंह ने कहा, "अरब सागर से उठने वाली नमी भी मानसून बादलों के साथ मिलकर यूपी के इलाकों में बारिश कराती है। मगर, अरब सागर की ज्यादातर नमी बिपरजॉय चक्रवात के हिस्से में चला गया है। इसलिए अब हमें बंगाल की खाड़ी वाले मानसूनी हवाओं पर निर्भर रहना होगा। इस समय उत्तर भारत में तापमान बहुत तेजी से बढ़ रहा है। जून में इस तरह से हीट स्ट्रोक का पड़ना, यह बताता है कि मानसून अभी काफी दूर है। 1992 में हीट स्ट्रोक से काफी लोगों की मौत हो गई थी। इस बार भी जून में कंडीशन वैसा ही कुछ है। ग्लोबल और रीजनल पैरामीटर की वजह से केरल में मानसून 7 दिन लेट आया है। वाराणसी समेत यूपी में 15 जून तक मानसून आ जाना चाहिए था। स्काईमेट वेदर ने शुरूआती 30 दिन तक मानसून के कमजोर रहने की उम्मीद जताई है। क्योंकि, नमी अब उतनी नहीं बची है। हालांकि, चक्रवात के असर के बाद फिर से नमी उठनी शुरू हो जाएगी। हो सकता है, मानसून के दिन बढ़ जाए। इलव में धान वैज्ञानिक प्रो. पीके सिंह ने कहा कि मानसून में देरी धान की नर्सरी सूख रही है। अब रोपाई का समय है। यह 19-25 जून तक हो जाता है। लेकिन, मानसून लेट होने से यह 30 जून या जुलाई तक खिसक सकता है।

वहीं, भीषण गर्मी की वजह से कई इलाकों में ग्राउंड वाटर इतना नहीं बचा होगा कि नलकूप से धान के खेत में पानी भर सके।

भूमाफिया ने बेच डाली महेश योगी आश्रम की जमीन

प्रयागराज में भूमाफिया ने महर्षि महेश योगी के ह्यस्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती चैरिटेबल ट्रस्टह्न द्वारा अरैल ग्राम सभा को लिखी गई 10 बीघे जमीन को अवैध रूप से प्लाटिंग कर बेच डाला। इस बात की शिकायत स्थानीय लोगों ने उट योगी आदित्यनाथ से की है। प्रयागराज के जिलाधिकारी संजय खत्री ने इस मामले की जांच बैठा दी है। महेश योगी का जब 1990 में आश्रम बनना शुरू हुआ तो ग्राम सभा की कुछ जमीन नाली, खड़ंजा और सड़क बनाने में चली गई। इसको लेकर ग्राम सभा और ट्रस्ट के पदाधिकारियों के बीच आए दिन विवाद होने लगा। इसको देखते हुए स्वाती ब्रह्मानंद चैरीटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी भूदेव शुक्ल पुत्र महादेव प्रसाद शुक्ला ग्राम अरैल द्वारा करछना के तत्कालीन उप जिलाधिकारी के यहां एक प्रार्थना पत्र दिया। कहा कि अरैल ग्राम सभा की कुछ जमीनें हमारे आश्रम के कब्जे में आ गई हैं। उसके बदले उन्होंने 10 बीघा जमीन ग्राम सभा को देने का प्रस्ताव रखा। एसडीएम, डीएम के आदेश पर महेश योगी के ट्रस्ट द्वारा दी गई 10 बीघे जमीन को अरैल ग्राम सभा को दे दिया गया। महर्षि महेश योगी का 5 फरवरी 2008 को निधन हो गया था। बाद में अरैल स्थित इसी आश्रम में महेश योगी की समाधि बनी। पूरी दुनिया में फैले लाखों अनुयायी आज भी इस आश्रम में आते हैं। महर्षि महेश योगी महाराज का ट्रेसडेंशल मेडिटेशन अर्थात भावातीत ध्यान पूरी दुनिया में लोकप्रिय हुआ। इंदिरा गांधी और आध्यात्मिक गुरु दीपक चोपड़ा भी उनके अनुयायी रहे हैं। 20 जून 1992 के इस प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद 10 बीघा जमीन अरैल ग्राम सभा के नाम कर दी गई। बाद में ग्राम प्रधान ने 30 दशकों में भूमाफिया के साथ मिलकर ग्राम सभा को दी गई यह जमीन अपने रिश्तेदारों को लिख दी। जिन जमीनों पर एससी-एसटी लोगों को पट्टे में दिया जाना था, उस पर घर बन गए हैं। जब स्थानीय कुछ साधु-संतों को इस बात का पता चला तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत की गई। उनसे इस प्रकरण की जांच की मांग की गई। मुख्यमंत्री के आदेश पर प्रयागराज के जिलाधिकारी संजय खत्री ने इस प्रकरण की जांच बैठा दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि महेश योगी के ट्रस्ट क्षरा अरैल ग्राम सभा को दी गई जमीनों का क्या हुआ। यह जमीन है कहां? जिलाधिकारी संजय खत्री ने बताया कि शिकायत मिली है। इस प्रकरण की जांच एसडीएम करछना को दी गई है। जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

टीचर पिता की हत्या की कहानी

हाथरस में 6 जून को एक 16 साल की लड़की अपने पिता की हत्या कर देती है। इस हत्या का कारण उसका प्रेमी होता है। दरअसल, पिता अपनी बेटी और उसके प्रेमी को अपने घर के एक कमरे में देख लेते हैं। वह गुस्से में आकर लड़के के सिर पर डंडा मार देते हैं। यही बात बेटी बर्दाश्त नहीं कर पाई और प्रेमी के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी। इस वारदात के बाद दोनों कपड़े और जमीन पर लगे खून को साफ करते हैं। फिर मूसली और चाकू को घर के पास गाड़ कर हरिद्वार भाग जाते हैं। हालांकि यूपी पुलिस के इनपुट पर हरिद्वार पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर यूपी पुलिस को सौंपा। दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाता है। फिर पुलिस रिमांड पर लेकर दोनों से पूछताछ करती है। इस दौरान दोनों ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। घटना हाथरस थाने की गेट कोतवाली की है। हाथरस में 6 जून को एक शख्स का शव अपनी बेटी के कमरे में मिला। परिवार के लोगों ने शव देखकर पुलिस को मामले की जानकारी दी। परिवार वालों ने हत्या का आरोप बेटी और उसके प्रेमी पर लगाया। मृतक के दादा बताते हैं, "मेरी पोती का अफेयर उसके क्लास में पढ़ने वाले एक लड़के से चल रहा था। मेरा बेटा इस बात का विरोध करता था। इन दोनों को 6 जून को मेरे बेटे ने साथ में देख लिया। इसके बाद दोनों ने मेरे बेटे की हत्या कर दी और फिर मौके से भाग गए।" मृतक शिक्षक था। उनकी पत्नी स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं। आरोपी बेटी ने इसी साल हाई स्कूल का एग्जाम पास किया है। कुछ दिन बाद ही उसका स्कूल खुलने वाला था। उसका एक छोटा भाई भी है जो उसी स्कूल में ही पढ़ता है, जहां लड़की पढ़ती है। आरोपी प्रेमी भी प्रेमिका के ही क्लास में पढ़ता है। हाथरस पुलिस ने दोनों की फोन की लोकेशन के बाद ट्रेस कर लिया। इसके बाद हरिद्वार पुलिस को सूचना दी। इस पर हरिद्वार पुलिस ने दोनों को 7 जून को हिरासत में ले लिया था। दोनों आरोपियों को हाथरस पुलिस हरिद्वार से साथ ले आई। फिर बाल सुधार गृह भेज दिया गया था। जहां से लड़के को पुलिस ने रिमांड पर लिया था। पुलिस ने पूछताछ के बाद लड़के को बाल सुधार गृह मथुरा भेजा है।

श्रीलंका में साल 2023 में अब तक सड़क दुर्घटनाओं में 1,043 लोगों की मौत

कोलंबो । श्रीलंका के परिवहन मंत्री लसांथा अलगियावन्ना ने कहा है कि साल 2023 में अब तक देश में कुल 8,875 सड़क दुर्घटनाएं हुईं हैं, जिसमें 1,043 लोगों की मौत हुई। इन दुर्घटनाओं में शामिल अधिकांश वाहन बस, मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहन थे।दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए एक सहयोगी कार्य योजना शुरू की गई है।मंत्री ने कहा कि पश्चिमी प्रांत में 18 मई को शराब या नशीली दवाओं के प्रभाव में वाहन चलाने वाले ड्राइवरों की पहचान करने के लिए एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया गया था।मंत्री ने कहा कि पिछले हफ्ते, कुल 1,781 ड्राइवरों को ड्रग्स के प्रभाव में ड्राइविंग के संदेह में परीक्षण किया गया।पुलिस के अनुसार, श्रीलंका में 2022 में करीब 19,740 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 2,485 लोग मारे गए।

स्पेन के स्ट्राइकर जोसेलु के साथ रियल मैड्रिड ने किया करार

मैड्रिड । रियल मैड्रिड ने स्पेन के स्ट्राइकर जोस लुइस माटो जोसेलु के साथ करार की घोषणा की है।जानकारी के अनुसार रियल मैड्रिड और एस्पेनयोल ने जोसेलु के लिए एक समझौता किया है।वह आगामी सत्र के लिए हमारे क्लब के लिए खेलेंगे।मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च में स्पेन जाने वाले 33 वर्षीय जोसेलू क्लब में वापसी कर रहे हैं, जहां वह 2009-2012 तक बी-टीम के लिए 67 बार खेले।इसके बाद जर्मनी में हॉफेनहाइम, इंट्राचैट फ्रैंकफर्ट और हनोवर 96 जैसे क्लबों के लिए खेले।उसके बाद उनका करियर उन्हें स्पेन लौटने से पहले इंग्लैंड में स्टोक सिटी और न्यूकैसल यूनाइटेड ले गया।अपने कार्यकाल के दौरान उन दोनों क्लबों के लिए जोसेलू ने गोल करने के अपने कौशल को दिखाया।गौरतलब है कि अलावेस के साथ तीन सीजन में 36 गोल किए और पिछले सीजन में एस्पेनयोल के लिए 33 मैचों में 17 गोल किए। रियल मैड्रिड जोसेलु को एक स्ट्राइकर के रूप में मानता है, जो कम पैसे में पेनल्टी क्षेत्र में काफी कुशल है।उनसे मार्को असेंसियो, मारियानो डियाज और करीम बेंजेमा द्वारा छोड़े गए शून्य को भरने में मदद करने की उम्मीद की जा रही है।

अनाक क्राकाटाऊ में ज्वालामुखी फटने से डेढ़ किमी ऊंचा राख का गुबार उठा

जकार्ता । इंडोनेशिया में अनाक क्राकाटाऊ ज्वालामुखी फट गया है। सेंटर फॉर वोल्केनोलॉजी एंड जियोलॉजिकल हजार्ड मिटिगेशन के अनुसार ज्वालामुखी से 1.5 किमी की ऊंचाई तक राख का गुबार उठा। इस मामले में माउंट अनाक क्राकाटाऊ मॉनिटरिंग पोस्ट ऑफिसर जुमोनो ने कहा, राख का रंग सफेद और भूरा है। तेजी के साथ यह दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोमवार को सुबह 8.22 बजे यह विस्फोट हुआ, जिसमें अधिकतम 70 मिमी का विस्तार और 3 मिनट और 2 सेकंड की अवधि थी। जावा और सुमात्रा के द्वीपों के बीच स्थित, माउंट अनाक क्राकाटाऊ 24 अप्रैल, 2022 से अब तक खतरे के तीसरे स्तर पर रहा है। 6 से 11 जून तक, पहाड़ी में उथल-पुथल बढ़ गई, नौ विस्फोटों को दर्ज किया गया, जिसमें ज्वालामुखी राख 3.5 किमी तक पहुंच गई। विस्फोट के प्रभाव से बचने के लिए लोगों को केंद्र के 5 किमी के दायरे में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शन करने वाले एलेक्सी नवलनी के खिलाफ नया मुकदमा शुरू

मास्को । जेल में बंद विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी के खिलाफ रूस की एक अदालत ने नया मुकदमा शुरु कर दिया है। यह मुकदमा नवलनी के भ्रष्टाचार-विरोधी फाउंडेशन की गतिविधियों और उनके शीर्ष सहयोगियों के बयानों से संबंधित है। मुकदमे की सुनवाई पूर्वी मॉस्को से 250 किलोमीटर दूर मेलेखोवो में कड़ी सुरक्षा वाली एक जेल में हो रही है। गौरतलब है कि रूस सरकार के कटु आलोचक नवलनी धोखाधड़ी और अदालत की अवमानना के मामले में इसी जेल में नौ वर्ष के कारावास की सजा काट रहे हैं। नवलनी ने सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने के साथ ही सरकार विरोधी प्रदर्शनों का आयोजन किया था। जर्मनी से इलाज कराकर लौटने के बाद जनवरी 2021 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। बता दें कि नवलनी को 'नर्व एजेंट' जहर दिया गया था। पीनल कॉलोनी नंबर-6 जेल में मुकदमे की सुनवाई शुरू करने वाली मॉस्को सिटी अदालत ने मीडिया को कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। ऐसे में पत्रकारों ने दूसरे भवन से 'वीडियो फीड' के जरिए सुनवाई देखी। सुनवाई के दौरान नवलनी के माता-पिता को भी अदालत कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। जेल की पोशाक पहने नवलनी कमजोर नजर आ रहे थे। नवलनी ने कहा है कि नए आरोपों के कारण उन्हें 30 साल के लिए जेल में रहना पड़ सकता है। एक जांचकर्ता ने उन्हें बताया है कि आतंकवाद के आरोपों पर एक अलग सैन्य मुकदमे का भी सामना करना पड़ेगा जिसमें संभावित रूप से उम्रकैद की सजा हो सकती है। नवलनी और उनके वकीलों ने न्यायाधीश से सुनवाई पर रोक लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी मामले के कमजोर पहलुओं पर पर्दा डालने के लिए मुकदमे का विवरण छिपाने को आतुर हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बारिश से 7 लोगों की मौत, 60 घायल

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हुई और 70 से अधिक अन्य घायल हो गए।मौसम विभाग के अधिकारियों ने आंधी और बारिश की भविष्यवाणी की है। रिपोर्ट के अनुसार, देश के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि प्रांत में आंधी और बारिश का एक और दौर आने की उम्मीद है।सूत्रों ने बताया कि प्रांत के बन्नू डिवीजन में कम से कम पांच लोग मारे गए और 67 अन्य घायल हो गए, जबकि पेशावर में दो लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए प्रांत के बन्नू संभाग के आयुक्त परवेज साबतखेल ने बताया कि संभाग के तीन जिलों में रविवार दोपहर से तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई।तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश से शहर में बाढ़ आ गई और क्षेत्र में संचार प्रणाली बाधित हो गई। इसके अलावा कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पहले 10 जून को शक्तिशाली हवाओं, भारी बारिश और ओलावृष्टि के पहले चरण में प्रांत में कम से कम 27 लोग मारे गए थे और 145 अन्य घायल हो गए थे।

पर्यटकों को टाइटैनिक तक ले जाने वाली पनडुब्बी लापता

वाशिंगटन । टाइटैनिक के मलबे तक लोगों को ले जाने वाली पनडुब्बी अटलांटिक महासागर में गुम हो गई है। बोस्टन कोस्टगार्ड ने बताया कि न्यूफ़ाउंडलैंड के तट पर खोज और बचाव अभियान चल रहा है। यह स्पष्ट नहीं है कि लापता होने के समय उसमें कितने लोग सवार थे। समुद्र की सतह से लगभग 3,800 मीटर (12,500 फीट) नीचे टाइटैनिक के मलबे को देखने के लिए छोटे पनडुब्बियां कभी-कभी पर्यटकों और विशेषज्ञों को ले जाती हैं।

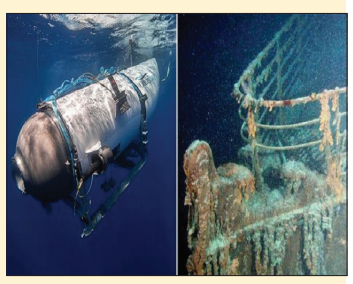

ओशनगेट एक्सपेडिशंस कंपनी ने एक बयान में पुष्टि की कि यह लापता सबमर्सिबल का मालिक है और लोग इसमें सवार थे। कंपनी ने कहा कि हम चालक दल को सुरक्षित वापस लाने के लिए सभी विकल्पों की तलाश कर रहे हैं और जुटा रहे हैं। हमारा पूरा ध्यान पनडुब्बी चालक दल के सदस्यों और उनके परिवारों पर है। हम चालक दल के सदस्यों की सुरक्षित वापसी की दिशा में काम कर रहे हैं। कंपनी प्रसिद्ध मलबे को देखने के लिए अपने आठ दिवसीय अभियान पर एक जगह के लिए पर्यटकों से 250,000 डॉलर लेती है। यह अपने कार्बन-फाइबर सबमर्सिबल पर यात्रा को रोजमर्रा की जिंदगी से बाहर कदम रखने और वास्तव में असाधारण कुछ खोजने का मौका के रूप में प्रस्तुत करता है। कंपनी के अनुसार एक अभियान चल रहा है और जून 2024 के लिए दो और की योजना बनाई गई है।

वेलेंशिया में ओसिनोग्राफिक फाउंडेशन और पोलीनेक्निक यूनिवर्सिटी के साथ ही पुलिस अधिकारी एक कछुए को देखते हुए। इसपर नजर रखने के लिए जीपीएस ट्रैकर भी लगाया गया।

राष्ट्रपति मैक्रों का आह्वान यूरोप अपनी वायु रक्षा प्रणाली विकसित करे, अमेरिका पर न रहे निर्भर

पेरिस।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने सोमवार को यूरोपीय देशों का आह्वान किया कि हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भरता बढ़ाएं और अमेरिका पर बहुत ज्यादा निर्भर नहीं रहें।मैक्रों ने 20 यूरोपीय देशों के रक्षा मंत्रियों और अन्य प्रतिनिधियों के पेरिस में आयोजित एक सम्मेलन के समापन भाषण में यूरोप के हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अपनी खुद की रक्षा प्रणाली विकसित करने की वकालत की।फ्रांसीसी आयोजकों ने कहा कि बैठक में ड्रोन रोधी युद्ध और बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली पर चर्चा की गई।

इसके अलावा यूक्रेन पर रूस के बड़े स्तर के हमले के बाद इस तरह के उपकरणों के महत्व और प्रभावशीलता पर भी संज्ञान लिया गया।उन्होंने बताया कि बैठक के एजेंडे में परमाणु हथियारों के निवारण का विषय भी शामिल था।मैक्रों ने कहा कि हमें यह जानने की जरूरत है कि हवाई क्षेत्र के खतरे की स्थिति क्या है।फिर हम यूरोपीय क्या क्या उत्पादन करने में सक्षम हैं? और फिर हमें क्या खरीदने की जरूरत है? उन्होंने कहा कि हमें अब भी अक्सर अमेरिकी सामान खरीदने की जरूरत क्यों पड़ती है? क्योंकि अमेरिकियों ने हमारे मुकाबले इन चीजों को बहुत ज्यादा मानकीकृत किया है।उनके पास संघीय एजेंसियां हैं जो अपने विनिर्माताओं को भारी राज-सहायता प्रदान करती हैं।यह एक दिवसीय बैठक पेरिस एयर शो के मौके पर हुई थी।

प्रीडेटर ड्रोन, जेट इंजन..., पीएम मोदी के अमेरिका दौरे में इन समझौतों पर लगेगी मुहर

देश की सुरक्षा में गेंम चेंजर साबित होंगे ये प्रीडेटर ड्रोन

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार दिवसीय अमेरिका दौरे पर रवाना हो गए हैं। यह उनकी पहली राजकीय यात्रा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और फर्स्ट लेडी जिल के न्यौते पर अमेरिकी पहुंचे पीएम मोदी का ये दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इस दौरे पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने वाले हैं। इसके अलावा न्यूयॉर्क में योग दिवस पर योग करने वाले हैं। साथ ही वे व्हाइट हाउस में आयोजित किए गए रात्रिभोज में शामिल होने का कार्यक्रम हैं। पीएम मोदी के इस दौरे पर दोनों देशों के बीच डिफेंस, बिजनेस, टेक्नोलॉजी और स्ट्रैटेजिक डील होंगीं। राष्ट्रपति बाइडेन और दूसरे अमेरिकी नेताओं के साथ मेरी बातचीत दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को और आगे लेकर जाएगी। मुझे विश्वास है कि अमेरिका की मेरी यात्रा डेमोक्रेसी, डायवर्सिटी और आजादी के मूल्यों पर आधारित हमारे संबंधों को और मजबूत करेगी। हम वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एक साथ मजबूती से खड़े हैं।

पीएम मोदी के दौरे पर भारत और अमेरिका के बीच डिफेंस, बिजनेस, टेक्नोलॉजी और स्ट्रैटेजिक डीलों पर मुहर लगेगी। लेकिन डिफेंस डील सबसे अहम मानी जा रही हैं। पीएम के इस दौरे पर भारत-

अमेरिका के बीच भारत को सुपरपावर बनाने वाली अब तक की सबसे बड़ी डिफेंस डील होने वाली है। इससे भारत की ताकत कई गुना बढ़ेगी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि रक्षा औद्योगिक सहयोग का रोडमैप पीएम मोदी की यात्रा के प्रमुख परिणामों में से एक होने की उम्मीद है।

दरअसल रक्षा मंत्रालय ने पिछले हफ्ते अमेरिकी प्रीडेटर ड्रोन 31एमक्यू-9बी की खरीदारी को हरी झंडी दी थी। माना जा रहा है कि पीएम मोदी प्रीडेटर ड्रोन की खरीद की 3 बिलियन डॉलर की डील का ऐलान कर सकते हैं।

अमेरिका का बेहद खतरनाक ड्रोन 1200 किलोमीटर तक मार करने की क्षमता रखता है। तालिबान और आईएसआईएस के खिलाफ अमेरिका ने इन ड्रोन के जरिए अचूक हमले किए। भारत को अपनी लंबी समुद्री सीमा और थल सीमा की निगरानी के लिए भी इस ड्रोन की खास जरूरत थी। माना जा रहा है कि डील फाइनल होने के बाद भारतीय नेवी को 14 और सेना-वायुसेना को 8-8 ड्रोन मिल सकते हैं। चीन के साथ हिंद महासागर में चल रहे पावर गेम के लिहाज से ये ड्रोन भारत के लिए काफी काम के साबित होने वाले हैं।

राफेल विमानों के आने से बदले एयर डिफेंस पावर के बाद अब भारत चीन का मुकाबला करने के लिए अपने लड़ाकू विमानों की तादाद तेजी से बढ़ाने की ओर कदम उठा रहा है। इस वक्त तेजस मार्क-2 के लिए नए इंजन की जरूरत थी। पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे में जीईएफ414 इंजन का निर्माण भारत में होने पर मुहर लग जाएगी। इससे जेट इंजन भारत में बनने लगेगा। इसके लिए अमेरिका टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर सहमत हो गया है। इस कदम से फाइटर जेट्स को लेकर भारत की निर्भरता दूसरे देशों पर कम होगी और देसी तकनीक के जरिए एयर पावर बढ़ाने की दिशा में हम आगे बढ़ पाएंगे।

पटरी से उतरी चुकी अर्थव्यवस्था में फिर से गति देने में जुटा ड्रैगन

-चीनी केंद्रीय बैंक ने किए कई उपायों के ऐलान

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी केंद्रीय बैंक की ओर से अर्थव्यवस्था में फिर से गति लाने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। हाल ही में पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अर्थव्यवस्था को मंदी में जाने से बचाने के लिए ब्याज दरों में कटौती का ऐलान किया गया।

चीन के द्वारा एक साल के लोन की प्राइम रेट को 10 आधार अंक घटाकर 3.55 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कि पहले 3.65 प्रतिशत थी। वहीं, पांच साल की प्राइम रेट को 4.3 प्रतिशत से घटाकर 4.2 प्रतिशत कर दिया गया है। यह अगस्त में पहली बार है जब ब्याज दरों को घटाया गया है।

चीन के बैंकों की ओर से ब्याज दरों में कटौती के ऐलान के बाद हांगकांग के शेयर बाजार में लिस्टेड चीनी कंपनियों के शेयर फिसल गए। इस कारण वहां का प्रॉपर्टी इंडेक्स 3 प्रतिशत गिर गया। एक सर्वे में बताया गया कि इंडस्ट्री पांच साल के रेट में 15 आधार अंक की कटौती की उम्मीद कर रही थी। इस कारण ये गिरावट देखने को मिली है।

प्रॉपर्टी इंडेक्स में गिरावट होने के कारण हांगकांग के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। साथ ही चीन युआन भी नवंबर के बाद सबसे निचले स्तर पर चल रहा है। चीन में ज्यादातक लोन एक साल की लोन प्राइम रेट के आधार पर ही दिए जाते हैं।

चीनी सरकार की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, वहां की अर्थव्यवस्था में मई में 4.6 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। यह 2016 के बाद चीन की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी गिरावट थी। इस कारण चीन की अर्थव्यवस्था के मंदी में जाने की आशंका जाहिर की गई है।

मई में आई अर्थव्यवस्था में गिरावट के कारण गोल्डमैन सैक्स और जेपी मॉर्गन ने चीन की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के पूरे लक्ष्य घटा दिया है।

सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स को रखने का ट्रंप ने किया बचाव, मेरे पास उन बक्सों को रखने का पूरा अधिकार

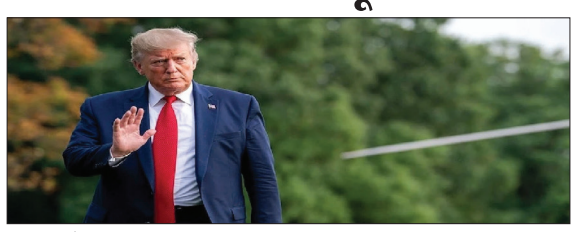

लाहौर (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इन दिनों सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स को गलत तरीके से संभालने के दर्जनों आरोपों का सामना कर रहे हैं। फॉक्स न्यूज पर एक साक्षात्कार में अपना बचाव करते हुए ट्रंप ने कहा कि वह दस्तावेजों को छांटने के लिए व्यस्त थे। सीक्रेट डॉक्यूमेंट मामले में ट्रंप की गिरफ्तारी हुई थी। मियामी कोर्ट में पेशी के दौरान गिरफ्तारी के बाद रिहाई हो गई है। 37 अलग-अलग मामलों में डोनाल्ड ट्रंप पर जो आरोप लगे थे, उसमें उन्होंने कहा कि वे बेकसूर हैं। न्यूज के होस्ट ब्रेट बैयर को बताया कि जैसे ही उन्होंने जनवरी 2021 में व्हाइट हाउस छोड़ा, उनका निजी सामान सरकारी दस्तावेजों के साथ मिला हुआ था।

ट्रंप ने कहा कि मैंने इसे बहुत हड़बड़ी में निकाला। लोगों ने इसे पैक किया और हम चले गए। मेरे पास वहाँ कपड़े थे, हर तरह की निजी चीजें थीं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि मेरे पास उन बक्सों को रखने का पूरा अधिकार है। जब बैयर ने पूछा कि अधिकारियों द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने दस्तावेज क्यों नहीं सौंपे, तो ट्रम्प ने कहा कि क्योंकि मेरे पास बक्से थे। मैं उसमें से अपनी सभी निजी चीजें बाहर निकालना चाहता हूं। मैं उसे सौंपना नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि जैसा कि आपने देखा है, मैं बहुत व्यस्त था।

बता दें कि सीक्रेट डॉक्यूमेंट मामले में ट्रंप की गिरफ्तारी हुई थी। मियामी कोर्ट में पेशी के दौरान गिरफ्तारी के बाद रिहाई हो गई है। 37 अलग-अलग मामलों में डोनाल्ड ट्रंप पर जो आरोप लगे थे, उसमें उन्होंने कहा कि वे बेकसूर हैं। ट्रंप के सहयोगी वॉल्ट मैथ्यू को भी रिहा किया गया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस जुर्म को मानने से इनकार किया कि उन्होंने फ्लोरिडा के अपने आवास में गोपनीय दस्तावेज रख कर बीसियों बार कानून का उल्लंघन किया है।

क्या चल रहा है कोई बड़ा ऑपरेशन! निज्जर, पंजवार, खंडा, हरमीत, 6 महीने में 4 निपट गए, खालिस्तानियों का चुन-चुनकर हो रहा सफाया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा के सरे शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। खालिस्तान टाइगर फोर्स का मुखिया शाम अपने घर लौट रहा था, तभी बंदूकें चलीं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इससे एक महीने पहले 6 मई को इसी तरह, परमजीत सिंह पंजवार लाहौर की सनफ्लावर सोसाइटी में अपने घर के पास अपनी नियमित मॉर्निंग वॉक पर था। एक बाइक पर सवार दो बंदूकधारियों ने गोलियां चलाईं और खालिस्तान कमांडो फोर्स के प्रमुख खून से लथपथ होकर गिर पड़ा। इतना ही नहीं पिछले हफ्ते, खालिस्तान के एक प्रमुख प्रतिपादक और अलगाववादी अमृतपाल सिंह के हैंडलर अवतार सिंह खांडा का ब्रिटेन के एक अस्पताल में निधन हो गया। खांडा को हाल ही में टर्मिनल कैंसर का पता चला था। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उनकी मौत का कारण जहर बताया गया।

भारतीय खुफिया एजेंसियों की भूमिका का आरोप

जनवरी में लाहौर के पास एक गुरुद्वारे के परिसर में हरमीत सिंह उर्फ ??हैप्पी पीएचडी की हत्या कर दी गई थी। हरमीत सिंह नार्को-टेरर और खालिस्तानी आतंकियों को ट्रेनिंग और ट्रेनिंग देने में शामिल था। वह 2016-2017 में पंजाब में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेताओं की हत्याओं में शामिल था।

निज्जर, पंजवार, खंडा और हरमीत उन चार प्रमुख खालिस्तानी आतंकवादियों में शामिल हैं जिनकी हाल के महीनों में विदेश में रहस्यमय तरीके से मौत हो गई है। कनाडा के विश्व सिख संगठन ने मंगलवार को हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजेंसियों की भूमिका का आरोप लगाया।

खालिस्तानी गतिविधियों में उछाल

इन मौतों की टाइमिंग भी काफी दिलचस्प है। खालिस्तान समर्थक गतिविधि में हाल के वर्षों में वृद्धि देखी गई है। यूके, कनाडा, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया में स्थित खालिस्तानी आतंकवादियों ने अलगाववादी आग को हवा दी है। अभी पिछले हफ्ते, कनाडा में कई जगहों पर खालिस्तान समर्थक रैली के पोस्टर देखे गए, जिसमें 1985 में एयर इंडिया बम धमाकों के कथित मास्टरमाइंड तलविंदर परमार का महिमामंडन किया गया था। पोस्टर में खालिस्तानी आतंकवादी को 'शहीद भाई तलविंदर परमार' के रूप में संदर्भित किया गया था और 25 जून (रविवार) को दोपहर 12.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) एक कार रैली का विज्ञापन किया गया था।

भारत के विदेश स्थित मिशनों पर हमला

मार्च में जब अलगावावादी अमृतपाल सिंह पर भारत में पुलिस द्वारा दबिश डाली जा रही थी, विदेशों में खालिस्तानी तत्वों ने अपनी भारत विरोधी गतिविधियों को तेज कर दिया। भारत के राजनयिक मिशनों पर हमला किया गया। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर खालिस्तान समर्थकों ने हमला किया था। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास के सामने खालिस्तान समर्थकों के एक समूह ने भी विरोध किया। सबसे ज्यादा हिंसक विरोध प्रदर्शन ब्रिटेन में देखने को मिला। खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने लंदन में भारतीय मिशन की बालकनी पर चढ़कर तिरंगे को नीचे खींचने की कोशिश की। कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीय दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और भारतीय मूल के पत्रकारों पर हमला किया। कनाडा में हाई कमीशन पर विरोध प्रदर्शन के दौरान एक ग्रेनेड भी फेंका गया। खालिस्तान समर्थकों द्वारा किए गए हमलों की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपने हाथ में ले ली है।

बीयर में मूंगफली के दाने के नाचने की प्रक्रिया का पता लगाने से होंगे फायदे

-शोध का कई उद्योगों में लिया जा सकता है फायदा

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी के वैज्ञानिकों ने शोध में यह जानने की कोशिश की है कि अगर बीयर में मूंगफली के दाने के नाचने की प्रक्रिया का पता लगा लिया जाए तो धरती के अंदर से मिनरल्स निकालने और सतह के नीचे उबलते मैग्मा को समझने में कैसे मदद मिलेगी? जर्मनी के वैज्ञानिकों का दावा है कि मूंगफली के बीयर में नाचने को समझने के लिए किए गए शोध का कई उद्योगों में फायदा लिया जा सकता है।ब्राजील के शोधकर्ता लुई परेरा के मुताबिक, उन्हें इस शोध के बारे में पहली बार ख्याल अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में एक बार में आया। दरअसल, ब?यूनस आयर्स में बार टेंडर अकसर बीयर के गिलास में मूंगफली के दाने डाल देते हैं और वो नाचने लगती हैं।मूंगफली के दाने बीयर से भारी होने के कारण पहले डूब जाते हैं।फिर एक-एक करके दाने ऊपर आने लगते हैं।परेरा बताते हैं कि मूंगफली एक न्यूक्लिएशन साइट बन जाती है।कार्बन डाइऑक्साइड के छोटे-छोटे सैकड़ों बुलबुले बनते हैं।फिर बुलबुले सतह की ओर बढ़ते हैं।इससे हवा का दबाव कम होता है और मूंगफली के दाने भी बुलबुलों के साथ ऊपर की ओर आ जाते हैं।जर्मनी के म्यूनिख में लुडविग मैक्सिमिलियन यूनिवर्सिटी में शोधकर्ता परेरा कहते हैं कि ये बुलबुले गिलास की सतह पर बैठने के बजाय मूंगफली के दोनों की सतह पर बनते हैं।जब वे सतह पर पहुंचते हैं, तो फूट जाते हैं।बुलबुला फूटता है, तो दाने फिर नीचे जाने लगते हैं।

फिर नया बुलबुला उसे ऊपर ले आता है। इस तरह मूंगफली के दानों का ये डांस तब तक चलता रहता है, जब तक कार्बन डाइऑक्साइड खत्म नहीं हो जाती या कोई बीयर का घूंट लेकर उस प्रक्रिया में रुकावट नहीं डाल देता।एक शोध 'बीयर गैस पीनट सिस्टम' में इस प्रक्रिया के दो कारण बताए गए हैं। शोध रिपोर्ट के मुताबिक, बुलबुले और मूंगफली के दाने की सतह के बीच संपर्क का कोण जितना बड़ा होता है, बुलबुले के बनकर बड़ा होने की संभावना ज्यादा होती है। हालांकि, कोई भी बुलबुला बहुत बड़ा नहीं बन सकता है।आदर्श स्थिति में भी ये 1.3 मिमी व्यास से कम रहता है.परेरा का कहना है कि इस प्रक्रिया को गहराई से समझने का फायदा उद्योग जगत में भी उठाया जा सकता है।वह कहते हैं कि लौह अयस्क से लोहा अलग करने की प्रक्रिया करीब-करीब ऐसी ही होती है।नियंत्रित तरीके से लौह अयस्क के मिश्रण में हवा छोड़ी जाती है।इससे उसकी सतह पर बुलबुले बनते हैं और ऊपर की ओर उठने लगते हैं।

क्रांति समय
बुधवार,21-जून-2023
देश
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योग हमारा, लेकिन कमाई कर रहे चीन, अमेरिका और जर्मनी

-योगा मैट से करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली। पूरी दुनिया वर्तमान में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग को अपना रही है। जीवन में योग के इसी महत्व को दर्शाने के लिए पूरा विश्व हर साल इंटरनेशनल योगा डे मनाता है। 21 जून को इंटरनेशनल योगा डे मनाया जाएगा। योग अब धीरे-धीरे एक बड़ा बाजार भी बन चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2019 तक पूरी दुनिया में योग का कारोबार 3 लाख करोड़ रुपये का हो चुका था। रिपोर्ट में ये भी अनुमान लगाया गया था कि साल 2027 तक बाजार 75 प्रतिशत बढ़कर 5 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा। योग का बाजार लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है। योग करने के लिए पूरी दुनिया में योगा मैट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इसकारण योगा मैट का कारोबार भी बढ़ता जा रहा है। यूके, यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में योग मैट का खूब इस्तेमाल हो रहा है। भारत में भी लोग जमकर योग मैट खरीदते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, योग मैट सबसे ज्यादा जर्मनी, यूएसए और चीन में बनते हैं। इन मैट को स्टिकी मैट न कहकर योग मैट का नाम मिल चुका है। अब नाइकी और रीबॉक जैसी बड़ी कंपनियां भी योग मैट को बेच रही हैं। योग मैट की इंडस्ट्री बिलियन डॉलर की हो चुकी है। भारत में योग मैट का अभी निर्माण नहीं हो रहा है। यहां पर ज्यादातर योग मैट चीन से ही आती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए चीन से योग मैट आयात किए गए थे। जिसके लिए भारत ने 92 लाख रुपये खर्च किए थे।

अब होगी मानसून की झमाझम, एमपी तथा बिहार में तेज बारिश के आसार

नई दिल्ली। अब मानसून की झमाझम बारिश होने वाली है, इससे गर्मी तथा लू से राहत मिलेगी। हालांकि पिछले कई दिनों से लोगों को मॉनसून का इंतजार हो रहा था, और आम जनता की चर्चाएं इनके इर्द गिर्द ही घूमती नजर आ रही हैं। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग, आईएमडी ने राहत की खबर दी है। विभाग ने सोमवार को बताया कि मंगलवार से भारत के पूर्वी और इससे सटे हिस्सों में हीट वेव की स्थिति कम होने जा रही है। साथ ही मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए भी स्थितियां अनुकूल हैं। पूर्वानुमान के मुताबिक पूर्वोत्तर भारत में दो दिनों के दौरान भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण पश्चिम मॉनसून कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार के कुछ हिस्सों में पहुंच गया है। मौसम विभाग ने 2-3 दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में भी मानसून के पहुंचने की संभावनाएं जताई है। मानसून पहले ही केरल में एक सप्ताह की देरी से 8 जून को पहुंचा था। आईएमडी द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 20 जून को राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं, दो दिनों में उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश में भारी बारिश के असार हैं। जबकि राज्य के पूर्वोत्तर हिस्सों में मंगलवार को मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश में 20 और 21 जून को बरसात के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग ने बताया है कि 21 और 22 जून को बिहार और झारखंड, ओडिशा में 21 से 23 जून और गंगीय पश्चिम बंगाल में 21 और 22 जून को बारिश हो सकती है। साथ ही अगले पांच दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश के आसार हैं। अगले पांच दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और भारत के पूर्वी हिस्सों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में दो दिनों के दौरान लू चल सकती है।

चचेरी बहन को धमकी देकर किया रेप, कोर्ट ने सुनाई 135 साल की सजा

तिरुवनंतपुरम। नाबालिग चचेरी बहन के साथ बार-बार दुष्कर्म करने और उसे गर्भवती करने का मामला सामने आया है। रिश्तों को तार-तार करने वाले इस मामले में केरल की एक अदालत ने सोमवार को एक व्यक्ति को 135 साल कैद की सजा सुनाई। इस संबन्ध में सरकारी वकील रघु ने बताया कि हरिपद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीर साजी कुमार ने 24 वर्षीय व्यक्ति को कुल 135 साल की सजा सुनाई। अभियोजक ने कहा कि आरोपी को सजा साथ-साथ काटनी होगी और उनमें से अधिकतम 20 साल थी। दोषी को 20 साल जेल की सजा काटनी होगी। अदालत ने फैसला सुनाते हुए दोषी युवक पर 5.1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को चार लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि पीड़िता वारदात के वक्त महज 15 साल की थी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दोषी पीड़िता के पिता के बड़े भाई का बेटा था और वह उसे अपने स्कूल ले जाता था और घर वापस उसकी नानी के पास लाता था। अभियोजक ने बताया कि इस निकटता का फायदा उठाते हुए युवक ने नहाते समय पीड़िता का वीडियो रिकॉर्ड करके, उसने उसके साथ अंतरंग संबंध स्थापित किए और उसे गर्भवती कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता ने एक बच्चे को भी जन्म दिया है, जो बाल कल्याण समिति की देखरेख में हैं। इसी तरह एक और मामले में कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास दिया है। केरल की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने कुछ साल पहले नाबालिग लड़की से अनेक बार बलात्कार करने के लिए बीते शनिवार को प्राचीन वस्तुओं के विवादास्पद स्वयंभू व्यापारी मोनसन मावुंकल को जीवन का अंत होने तक कारावास में रहने की सजा सुनाई और कहा कि दोषी किसी भी प्रकार की नरमी का पात्र नहीं है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय (पॉक्सो) के न्यायाधीश के। सोमन ने कहा कि 53 वर्षीय दोषी ने अपनी घरेलू सहायिका की बेटी से कई महीनों तक बलात्कार किया।

कफ सिरप बनाने वाली भारत की 7 कंपनियों को डब्ल्यूएचओ ने जांच के घेरे में डाला

-स्वास्थ्य मंत्री बोले- नकली दवाओं के प्रति देश में जीरो टॉलरेंस की नीति

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कफ सिरप से मौतों के मामले में सख्त कदम उठाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में बने 7 कफ सिरप को जांच के घेरे में डाला है। वहीं डब्ल्यूएचओ द्वारा दुनिया भर में दूषित कफ सिरप की आपूर्ति से संबंधित अपनी जांच में भारत में निर्मित सात खांसी की दवाईयों को जांच के घेरे में लिए जाने के कुछ घंटे बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत में नकली दवाओं के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने सुनिश्चित किया कि दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक जोखिम-आधारित विश्लेषण चल रहा है। भारत कभी भी दवाओं की गुणवत्ता पर मोलभाव नहीं करेगा। मंडाविया ने मंगलवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा सतर्क रहते हैं कि किसी की नकली दवाओं से मृत्यु न हो। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डब्ल्यूएचओ ने फ सिरप बनाने वाली भारत की 7 कंपनियां जांच के घेरे में डाला है। कई देशों में कफ सिरप से 300 से ज्यादा मौतों के बाद ये कदम उठाया गया है। बता दें कि डब्ल्यूएचओ ने अपनी जांच में भारत में निर्मित खांसी की दवाईयों को उनकी घटिया गुणवत्ता के लिए चिन्हित किया है, जिसके कारण दुनिया भर में करीब 300 बच्चों की मौत हो गई थी।

फिल्म आदिपुरुष की अर्निंग में 75 फीसदी की गिरावट आई

मुंबई (ईएमएस)। विवादों में रहने के कारण फिल्म आदिपुरुष की कमाई में 75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। गौरतलब है कि फिल्म आदिपुरुष के लिए वीकेंड के बाद सोमवार का दिन काफी अहम था। हालांकि मूवी मंडे टेस्ट में बुरी तरह से फेल हो चुकी है। चौथे दिन कलेक्शन गिरने की खबरें भी आई हैं। शुरुआती आंकड़े 20 करोड़ तक माने जा रहे थे लेकिन कुछ फाइनल रिपोर्ट्स इससे भी कम आ रही हैं। वैसे फिल्म ने 3 दिन तक काफी अच्छी कमाई की थी। माना जा रहा है कि शुरुआती कमाई अडवांस बुकिंग का नतीजा थी। फिल्म को मिले नेगेटिव फीडबैक और कई टिकट कैंसल होने का नतीजा अब दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि मेकर्स ने घोषणा की है कि वे आपत्तिजनक डायलॉग्स को रिप्लेस करेंगे। इस बदलाव के बाद भी फिल्म के बिजनस पर लोगों की नजर रहेगी। फिल्म आदिपुरुष पर जनता के खराब रिव्यू का असर देखने को मिला। फिल्म के कलेक्शन में करीब 75 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। मूवी बिजनस ऐनालिस्ट ने ट्वीट किया, कि सोमवार को नेगेटिव वर्ड ऑफ माउथ का नतीजा दिखा, वीकेंड में जबरदस्त ओपनिंग के बाद आदिपुरुष सोमवार को धराशाई हो गई। फिल्म का टोटल कलेक्शन 75 फीसदी तक गिरा और नेट कमाई 8-9 करोड़ रही। संडे को कलेक्शन में ग्रोथ न दिखने के बाद माना जा रहा था कि सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की जाएगी।

दिल्ली फतह के लिए भाजपा ने यूपी की हारी 16 लोकसभा सीटों पर मंथन शुरु किया

शाह, योगी और नडडा की तिकड़ी से संभाला मोर्चा

मेरठ (एजेंसी)। अगर भाजपा को तीसरी बार दिल्ली का सिंहासन जीतना है, तब उत्तर प्रदेश में विजय का पताका फहराना होगा। ऐसा तब होगा जब भगवा सूरमा पश्चिम उत्तर प्रदेश में पिछले लोकसभा चुनाव में मिली हार का चक्रव्यूह तोड़ दें। कुछ ऐसी रणनीति के साथ भाजपा के दिग्गजों ने पश्चिम यूपी को मथना शुरु कर दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं राष्ट्रीय जेपी नड्डा की तिकड़ी ने मोर्चा संभाल लिया है। 2014 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मोदी लहर की बदौलत पश्चिमी उप्र की सभी 14 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन 2019 में सपा-बसपा और रालोद की तिकड़ी ने भाजपा से बिजनौर, नगीना, सहारनपुर, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा एवं रामपुर छीन लिया।

यूपी के तत्कालीन संगठन महामंत्री सुनील बंसल ने प्रदेश में 70 प्लस का नारा दिया, जो पश्चिम उप्र की वजह से डूब गया। केंद्रीय इकाई ने हार के कारणों का मंथन किया। जिसके बाद सहारनपुर, बिजनौर नगीना का जिम्मा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संभाला, वहीं अमरोहा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने डेरा डाला था। केंद्रीय मंत्री

मीनाक्षी लेखी ने रामपुर में हार के कारणों की पड़ताल कर रिपोर्ट केंद्रीय टीम को दिया था।

मिशन-2024 में जुटी भाजपा ने प्रदेश की हारी सभी हारी 16 सीटों पर नए सिरे से रणनीतिक रचना की है। इसके लिए लाभार्थी सम्मान योजना संचालित कर रही है। अभियान के बहाने पार्टी की चुनावी धार और तेज करने के लिए 25 जून को सीएम योगी गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद और बागपत में जनसभा करने वाले हैं। जिसका असर पूरे पश्चिम उप्र तक पहुंचेगा। सीएम योगी पश्चिम के 25 जिलों का प्रभार संभालने के साथ ही मुरादाबाद और सहारनपुर में सर्वाधिक बार दौरा कर चुके हैं। वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री शाह 30 जून को बिजनौर में डेरा डालने वाले हैं। यह सीट भाजपा के लिए कड़ी चुनौती बनी हुई है।

बेशक यहां रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव कई बार दौरा कर चुके हैं, लेकिन शाह की जनसभा से पार्टी को नई ताकत मिलेगी। इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 21 जून को गाजियाबाद में योग के कार्यक्रम में पहुंचने के बाद संगठन के साथ चुनावी रणनीतियों की समीक्षा भी करने वाले हैं।

दो दिन पहले प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने बुलंदशहर का दौरा किया है। मेरठ में 22 जून को भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या की जनसभा होगी, वहीं राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह भी पदाधिकारियों से संवाद कर चुनावी नब्ज टटोलने का काम करने वाले हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा मामूली अंतर से मेरठ-हापुड़ सीट जीत सकी थी जहां अब भी बड़ी चुनौती है, वहीं मुजफ्फरनगर एवं कैराना के चुनावी समीकरण भाजपा की धड़कन बढ़ा रहे हैं। पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया ने बताया कि भाजपा संगठन की नींव पर खड़ी पार्टी है जहां सालभर उत्सव चलता है।

उद्धव राज में हुए घोटालों की फाइलें खोलने एसआईटी हुई गठित, अब होगी जांच

मुंबई। मुंबई महाघोटाले की जांच करने के लिए सीएम एकनाथ शिंदे ने एसआईटी गठित कर दी है। इस तरह से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी में हुए भ्रष्टाचार की फाइलें खोलने जा रहे हैं। उन्होंने कथित आर्थिक अनियमितताओं की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित करने की अनुमति दे दी है। इसमें खास बात है कि महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी के बीच तनातनी का दौर जारी है। मार्च-अप्रैल में महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कैग के ऑडिट में 12 हजार 24 करोड़ रुपये की अनियमितताएं सामने आईं थीं। ये प्रोजेक्ट 2019 से लेकर अक्टूबर 2021 तक किए गए थे। इसमें खास बात है कि तब उद्धव राज्य के मुख्यमंत्री थे और उनकी अगुवाई वाली अविभाजित शिवसेना बीएमसी में सत्तारूढ़ थी। मुंबई भाजपा के प्रमुख आशीष शेलार ने सीएम को पत्र लिखकर बीएमसी में भ्रष्टाचार के आरोपों की एसआईटी जांच की मांग की थी। वहीं उद्धव गुट के नेता 20 जून को अंतरराष्ट्रीय गद्दार दिवस घोषित किए जाने की मांग कर रहे हैं। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने संयुक्त राष्ट्र को इस दिन को अंतरराष्ट्रीय गद्दार दिवस घोषित करने के लिए पत्र भी लिखा है। राउत ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और केंद्र सरकार गद्दारी को बढ़ावा दे रही है। आज के दिन हमारे 40 विधायक पार्टी छोड़कर चले गए थे। इसे अंतरराष्ट्रीय गद्दार दिवस घोषित होना चाहिए। वहीं खबर है कि राज्य में उद्धव गुट और महाविकास अघाड़ी में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता गद्दार दिवस पर प्रदर्शन की तैयारी कर रहे थे।

पीएम मोदी की चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा में बनने जा रहे कई नए रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को अपनी चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा के लिए रवाना हुए। इस दौरान पीएम मोदी योग दिवस समारोह, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ डिनर सहित कई कार्यक्रमों में शिरकत करने वाले हैं। पीएम मोदी की ये यात्रा ऐतिहासिक और कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका रवाना होने से पहले पीएम ने कहा कि इस यात्रा से भारत-अमेरिका के रिश्तों को मजबूती मिलेगी। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच रक्षा क्षेत्र में बड़ी डील पक्की होने वाली है। इस यात्रा के दौरान पीएम के नाम कई शानदार रिकॉर्ड जुड़ने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी की ये पहली अमेरिकी राजकीय यात्रा होगी। हालांकि, वह अपने कार्यकाल में इससे पहले पांच बार अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं। यह उनकी छठी अमेरिकी यात्रा होगी।

पीएम मोदी से पहले सिर्फ दो भारतीय नेता अमेरिका की राजकीय यात्रा पर गए हैं। पहले 1963 में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन और 2009 में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह अमेरिकी राजकीय यात्रा पर जा चुके हैं। पीएम मोदी और पूर्व पीएम सिंह के अलावा आठ भारतीय प्रधानमंत्रियों ने अमेरिका की यात्रा की है। जवाहरलाल नेहरू ने चार बार, अटल बिहारी वाजपेयी ने चार बार, इंदिरा गांधी ने तीन बार, राजीव गांधी ने तीन बार, पीवी नरसिम्हा राव ने दो बार, मोरारजी देसाई और आईके गुजराल ने एक-एक बार अमेरिका की यात्रा की है।

जो बाइडन तीसरे अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, जो अमेरिका यात्रा के दौरान पीएम मोदी से मिलने वाले हैं। उनसे पहले पीएम मोदी से बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी यात्रा के दौरान मिल चुके हैं। पीएम मोदी के नाम अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को दूसरी बार संबोधित करने का रिकॉर्ड जुड़ेगा। उन्होंने जून 2016 में पहली बार अमेरिका कांग्रेस को संबोधित किया था। ऐसा करने वाले पीएम मोदी केवल एकमात्र भारतीय नेता हैं और दुनिया में

इसतरह के चौथे नेता हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है जब योगा दिवस का मुख्य समारोह विदेश में आयोजित हो रहा है और उसका नेतृत्व पीएम मोदी करने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के लॉन में 21 जून को योगा दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा।

पटना में 23 को होगी विपक्षी दलों की बैठक, सीएम नीतीश करेंगे शुभारंभ

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में विपक्षी दलों की बैठक 23 जून को होने वाली है। इसके लिए सभी विपक्षी नेताओं से शामिल होने की अपील की जा रही है। इधर महागठबंधन सरकार ने 23 जून को पटना में होने वाली विपक्ष की सबसे महत्वपूर्ण बैठक के कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया है। सूत्रों ने कहा कि कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत सीएम नीतीश कुमार करेंगे वहीं समापर बैठक में वक्तव्य राहुल गांधी देंगे। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। देशभर से लगभग 15 राजनीतिक दल इस महत्वपूर्ण बैठक का हिस्सा होंगे। सूत्रों से पता चला है कि बैठक का स्थान पटना में 1 अणे मार्ग स्थित बिहार के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के अंदर नेक संवाद कक्ष होगा। बैठक सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक होगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के संरक्षक फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और वाम दलों के नेताओं के बैठक में मौजूद रहने की उम्मीद है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सभी विपक्षी नेताओं को एक मंच पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, मुख्य भाषण देकर कार्यवाही शुरू करेंगे। सूत्रों ने कहा कि वह इस बारे में बात करेंगे कि विपक्षी एकता की आवश्यकता क्यों है और नरेंद्र मोदी की मौजूदा सरकार के कारण देश जिन समस्याओं का सामना कर रहा है, उन्हें भी संबोधित करेंगे। वह यह भी बताएंगे कि अगर भाजपा सत्ता में बनी रहती है, तो इसके संविधान में बदलाव की सबसे अधिक संभावना है। विपक्षी पार्टियां कैसे बीजेपी को हराएंगी, इसका मंत्र भी वह बताएंगे। नीतीश कुमार के उद्घाटन भाषण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भाषण होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली और पंजाब के मुद्दों को संबोधित करेंगे। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के सुझाव विपक्षी नेताओं के लिए बेहद अहम हैं।

गीताप्रेस मामले में वरुण गांधी ने कांग्रेस को दिया धर्मनिरपेक्षता ज्ञान

-कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णनम ने अपने ही नेताओं को सुनाई खरी-खरी

पीलीभीत (एजेंसी)। गीताप्रेस गोरखपुर को साल 2021 के गांधी शांति पुरस्कार के लिए चुना गया है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कमिटी ने यह चुनाव किया है। इस ऐलान के बाद से ही राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस फैसले को गांधी का अपमान बता रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जयराम रमेश ने फैसले को एक मजाक बताकर इसकी तुलना सावरकर और गोडसे को सम्मानित करने से की है। दूसरे कांग्रेसी नेता पीएल पुनिया ने भी फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। हालांकि, इससे विपरीत कांग्रेस के प्रमोद कृष्णनम ने अपने दल के इन नेताओं को लताड़ लगा दी है। गीताप्रेस को सम्मानित करने के फैसले के बाद हो रहे विवाद पर पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने समाज में नकारात्मकता फैलाने वाला माना है। वरुण गांधी ने ट्वीट कर कहा, एक-दूसरे की आस्था का परस्पर सम्मान ही एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की पहचान है। गीताप्रेस सिर्फ एक प्रकाशक नहीं, एक संपूर्ण आंदोलन है, इसने गरीब से गरीब परिवार को उनके धर्म से उच्चस्तरीय भाषा में लिखी त्रुटिहीन पुस्तकों के माध्यम से जोड़ा। अकारण आलोचना नकारात्मकता का आधार बनती है। इसके पहले कांग्रेस नेता रमेश ने ट्वीट में न केवल सम्मान देने के फैसले पर ऐतराज किया बल्कि गीताप्रेस की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा, साल 2021 का गांधी शांति पुरस्कार गोरखपुर के गीता प्रेस को दिया गया है, जो इस साल अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।

गद्दार दिवस घोषित करने की मांग, संजय राउत ने यूएन को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने 20 जून को गद्दार दिवस घोषित करने की मांग करते हुए यूएन को चिट्ठी लिखी है। सांसद संजय राउत ने संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेट्री जनरल को एक पत्र लिखकर विश्व गद्दार दिवस घोषित करने का आग्रह किया है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि हम इस मांग पत्र पर महाराष्ट्र के लाखों लोगों के हस्ताक्षर इकट्ठा करेंगे और उन्हें संयुक्त राष्ट्र भेजेंगे। अभी महाराष्ट्र की सियासत में औरंगजेब और टीपू सुल्तान को लेकर छिड़ी सियासी जंग खत्म हुई नहीं है कि इस बीच गद्दार दिवस की यह मांग एक नया विवाद पैदा कर रही है। संजय राउत के मुताबिक दुनिया ने गद्दारी की कई घटनाएं देखी हैं और महाराष्ट्र के लोगों के साथ बीते साल ये हुआ। उन्होंने कहा कि जब हमारी पार्टी सत्ता में आएगी तो 20 जून को गद्दार दिवस मनाया जाएगा। इससे पहले महाविकास आघाड़ी सरकार में शामिल रही एनसीपी ने भी ऐसे ही मांग की थी। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने ये मांग पिछले साल आज ही के दिन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के विधायकों ने बगावत करने के मद्देनजर की है।

यहां यह बात गौरतलब है कि बीते साल 40 के करीब विधायकों की बगावत ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार को गिरा दिया था। उन्होंने ये चिट्ठी ऐसे समय में भेजी है, जब एक ही दिन पहले यानी 19 जून को शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट ने शिवसेना का अलग-अलग स्थापना दिवस मनाया। संजय राउत ने यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को लिखे पत्र में कहा कि जैसे 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है उसी तरह 20 जून को विश्व गद्दार दिवस के रूप में मान्यता दी जाए। इससे पहले राउत ने कहा था कि वे गद्दार डे मनाने की अपील के साथ ही रावण की तरह 40 गद्दार पुतले भी जलाएंगे।

नगरचर्या पर निकले भगवान जगन्नाथ, दर्शन के लिए सड़कों पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ जी की मंगला आरती की

अहमदाबाद (एजेंसी)। शहर में भगवान जगन्नाथ जी, बहन सुभद्रा जी और बड़े भैया बलभद्र जी के साथ नगरचर्या पर निकले हैं। खास बात यह है कि 72 सालों के बाद भगवान जगन्नाथ जी नए रथों पर सवार होकर नगरवासियों को दर्शन देने निकले हैं। भगवान जगन्नाथ जी नंदीघोष रथ पर बिराजमान हैं। जबकि बहन सुभद्रा जी हवलदन और भाई बलभद्र जी तालध्वज पर बिराजमान होकर नगरचर्या पर निकले हैं। भगवान जगन्नाथ जी की ऐतिहासिक 146वीं रथयात्रा के दर्शन करने अहमदाबाद के सड़कों पर श्रद्धा का सैलाब उमड़ रहा है। इससे पहले प्रातःकाल भगवान जगन्नाथ जी की मंगला आरती की गई, जिसमें केन्द्रीय मंत्री अमित शाह शामिल हुए। सुबह 4.30 बजे भगवान की आंखों से पट्टी खोली गई और उसके बाद 4.44 बजे भगवान को खीचड़ी का भोग लगाया गया। सुबह 5.30 बजे भगवान जगन्नाथ जी को, 5.35 बजे बहन सुभद्रा जी को और 5.50 बजे बलभद्र जी को रथ में बिराजमान किया गया। जिसके बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सोने की

झाड़ू से रथयात्रा के मार्ग की सफाई कर पहिंदविधि पूर्ण की और रथयात्रा का मंदिर से प्रस्थान कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं जो मुझे पूजा करने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने रथयात्रा की लोगों को शुभकामनाएं दीं। अहमदाबाद के जमालपुर स्थित मंदिर से रथयात्रा के साथ अखाडे, भजन मंडलियां, देश के विभिन्न राज्यों से आए साधु-संतों के समूह और 100 से भी अधिक ट्रक रवाना हुए हैं। रथयात्रा को लेकर पूरे शहरवासियों में जबर्दस्त उत्साह नजर आ रहा है। विभिन्न ट्रकों में आकर्षक झांकिया बनाई गई हैं। रथयात्रा में श्रद्धालुओं को मूंग और जामून की प्रसादी वितरित की जा रही है। बता दें कि आज भगवान जगन्नाथ जी की 146वीं रथयात्रा है और इसके प्रारंभ होने से पहले केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भगवान जगन्नाथ जी सुबह 4 बजे मंगला आरती की। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, राज्यमंत्री जगदीश विश्वकर्मा समेत भाजपा नेता उपस्थित रहे। मंगला आरती के बाद भगवान की आंखों से पट्टी कोली गई। रथयात्रा को लेकर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रथयात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में विभिन्न रेंक के 25 हजार से अधिक जवान तैनात हैं। जिसमें 11 आईजी, 50 एसपी, 100 डीवायएसपी, 300 से ज्यादा पीआई, 800 पीएसआई के अलावा एसआरपी व सीआरपीएफ की 35 टुकडियां और 6 हजार होमगार्ड के जवान तैनात हैं। साथ ही रथयात्रा में पहली बार एन्टी गन ड्रोन का भी उपयोग किया जा रहा है। रथयात्रा के दौरान किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की पुलिस ने लोगों से अपील की है।

बिहार, यूपी, ओडिशा में हीट वेव से 100 से ज्यादा मौंते

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। एक ओर जहां दिल्ली-एनसीआर में बारिश हो रही है, वहीं दूसरी तरफ यूपी बिहार सहित कई राज्यों में हेट वेव से लोगों की जान जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिहार, यूपी, ओडिशा में भीषण गर्मी और लू से करीब 100 लोगों की जान जा चुकी है। बिहार में पिछले 20 दिन से गर्मी सितम ढा रही है। इस महीने पारा 40 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं रहा। प्रदेश के 15 जिलों में हीट वेव चली।

वहीं भोजपुर में लू लगने से 24 घंटे में 5 लोगों की मौत हो गई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि शवों के पोस्टमॉर्टम में मौत के कारण हीट स्ट्रोक की पुष्टि हुई है। जिले के कुछ हिस्सों में दो और मौतें हुई हैं, लेकिन उनकी पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट का इंतजार है। आपदा प्रबंधन मंत्री शाहनवाज आलम ने कहा, पूरा राज्य वर्तमान में भीषण गर्मी की चपेट में है।

पटना में 18 जून को भीषण गर्मी के कारण 35 लोगों की मौत हो गई थी। एनएमसीएच में 19 मरीजों तो पीएमसीएच में 16 मरीजों की मौत हो गई थी। वहीं बिहार के अन्य जिलों में लू लगने से 9 लोगों ने जान चली गई थी। बेगूसराय, सासाराम और नवादा में दो-दो लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा भोजपुर और औरंगाबाद में एक-एक शख्स की जान गई थी। भीषण गर्मी के कारण स्कूलों की छुट्टियां भी बढ़ा दी गई हैं। पटना में 24 जून तक सभी स्कूल बंद रहने वाले हैं।

राज्य स्वास्थ्य समिति ने जनता से अपील की है कि वे बेवजह घर से न निकलें। समिति ने कहा कि कोशिश करें कि दोपहर 12 से तीन बजे तक घर में ही रहें। बाहर निकलने पर कपड़े से सिर को ढककर रखें। पानी पीते रहें। बिहार में आमतौर पर 10 जून को मॉनसून दस्तक दे देता है और 15 जून तक ये राज्य में पूरी तरह प्रवेश कर जाता है, लेकिन मौसमी गतिविधियों के चलते 20 जून तक भी मॉनसून नहीं पहुंच सका है। उम्मीद है कि दो-तीन दिन में यह बिहार पहुंच सकता है।

बिहार की तरह यूपी में भी हालात बुरे हैं। पिछले दिनों बलिया जिले में भीषण गर्मी के कारण दर्जनों मरीजों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक 15, 16 और 17 जून में फीवर, सांस फूलने जैसी वजह से करीब चार सौ मरीज जिला अस्पताल में भर्ती हुए थे, जिसमें 15 जून को 23, 16 जून को 20 और 17 जून को 4 बजे शाम तक 11 यानी कुल 54 मरीजों की मौत हो गई थी। बिहार ही नहीं देश के कई राज्यों में हीटवेव चल रही है। यूपी, बिहार, मध्यप्रदेश, झारखंड, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, विदर्भ, ओडिशा और तेलंगाना में गर्म हवाओं का प्रकोप बढ़ेगा। एक स्टडी के मुताबिक भारत में गर्मी की वजह से 31 सालों में 24 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। भारत का 90 फीसदी इलाका अत्यधिक गर्मी वाले खतरनाक जोन में आता है। भारत अधिक गर्मी को बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं है। हीटवेव को आपदा में शामिल करना होगा।

आईएमडी के मुताबिक, रुकी हुई हवा के कारण आमतौर पर हीट वेव चल रही है। उच्च दबाव प्रणाली हवा को नीचे की ओर ले जाती है। यह जमीन के पास हवा को बढ़ने से रोकती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जानें योग की संपूर्ण जानकारी

योग का उद्भव भारत से ही माना जाता है। भारत में योग का इतिहास लगभग 2000 वर्ष पुराना बताया गया है। भारत में स्वामी विवेकानंद ने योग की शुरुआत बहुत पहले कर दी थी। स्वामी जी ने अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में योग का संदेश संपूर्ण विश्व को दिया था। योग पर आधारित पुस्तकों का संग्रह आज भी भारत के राष्ट्रीय संग्राहलयों में मिलता है। योग भारत के पास प्रकृति की एक अमूल्य वस्तु है।

योग का महत्व

आज के समय में सभी के जीवन में योग का बहुत अधिक महत्व है। वर्तमान में बढ़ती बीमारियों से निपटने के लिए योग बहुत जरुरी है। जिस प्रकार डाईबिटीज के मरीज के लिए दवा जरुरी है, ठीक उसी प्रकार जीवन में योग बहुत आवश्यक है।
प्रात: काल का समय, योग करने का सही समय माना जाता है। सुबह के समय योग करने से व्यक्ति के मसतिष्क की सभी इंद्रियां भलीभंति गतिमान होती हैं, जिससे व्यक्ति का मन एकाग्र होकर कार्य करता है। योग एक ऐसी साधना है, जिसका जीवन में होना बहुत जरुरी है। योग एक ऐसी दवा है, जो बगैर खर्च के रोगियों का इलाज करने में सक्षम है। वहीं यह शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है, यही कारण हैं कि युवाओं द्वारा बड़े पैमाने पर जिम और एरोबिक्स को छोड़कर योग अपनाया जा रहा है।

योग के फायदे

मानसिक तनाव से छुटकारा

सुबह के समय योग करने का सबसे ज्यादा असर व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर होता है। प्रात: योग करने से दिन भर के मानसिक तनाव से छुटकारा मिल जाता है एवं सभी कार्य आसानी एवं सरलता से हो जाते हैं।

वजन कम करने में सहायक

योग वजन घटाने में अत्यधिक सहायक है। सूर्य नमस्कार, योग का ऐसा अंग है जो वजन कम करने में अत्यंत सहायक है। प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने से व्यक्ति का 10 ग्राम तक वजन कम होता है।

डाईबिटीज रोगियों के लिए जरुरी

कहा जाता है कि डाईबिटीज एक ऐसी बीमारी है जो कभी ठीक नहीं होती। लेकिन ऐसा नहीं है, योग और प्राणायाम से इस बीमारी का इलाज भी संभव है। योग के नियमित अभ्यास से डाईबिटीज जैसी बीमारी से राहत पाई जा सकती है।

मन प्रसन्न

प्रतिदिन सुबह के समय योग करने से मन दिन भर प्रसन्न रहता है, साथ ही मानसिक शांति भी मिलती है। मानसिक रोगों को दूर कर प्रसन्न रहने के लिए यह एक बेहतरीन उपाय है।

आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी

योग से मसतिष्क सक्रिय होता है और शारीरिक ऊर्जा में वृद्धि होती है, जिससे व्यक्ति का मन किसी भी कार्य में व्यवस्थित रूप से लगा रहता है एवं उसके सभी काम समय पर होने से उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

योग की सावधानियां

- योग सुबह या शाम के समय करना ज्यादा बेहतर होगा।
- योग हमेशा खाली पेट करें।
- योग अपने शरीर के हिसाब से करें। जो आसन आप कर सकते हैं वही आसन करें।

योग का भविष्य

भारत के लिए बहुत गर्व की बात है की संपूर्ण विश्व में अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जा रहा है। आज के समय में योग का उज्जवल भविष्य सामने है। वर्तमान में योग के प्रति लोगों की रुचि बढ़ती जा रही है, जिससे आने वाले समय में योग का स्तर और व्यापक होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। योग अब विदेशों में भी अपनाया जा चुका है जो यह दर्शाता है कि योग अब अंतराष्ट्रीय स्तर विकसित हो चुका है।

21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विशेष

योग से सकारात्मकता की ओर

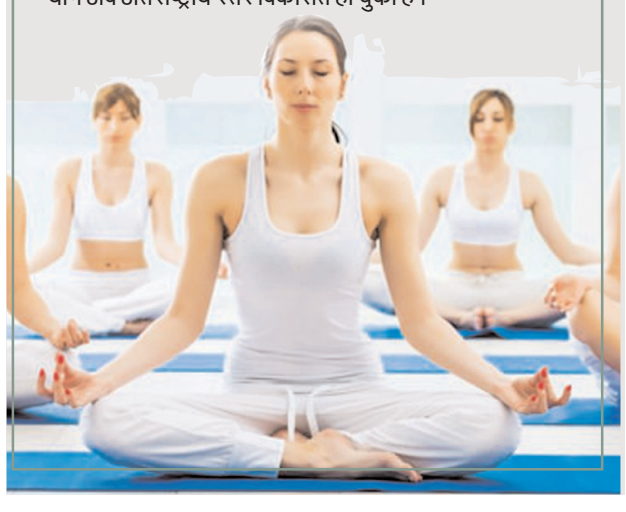

हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाता है। इस साल पूरे विश्व में तृतीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। भारत देश में योग दिवस का एक अपना ही अलग महत्व है। योग भारतीय प्राचीन संस्कृति की परम्पराओं को समाहित करता है। भारत देश में योग का प्राचीन समय से ही अहम स्थान है। पतंजलि योग दर्शन में कहा गया है कि – योगश्चित्तवृत्त निरोध : अर्थात चित्त की वृत्तियों का निरोध ही योग है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो ह्रदय की प्रकृति का संरक्षण ही योग है। जो मनुष्य को समरसता की और ले जाता है।
योग मनुष्य की समता और ममता को मजबूती प्रदान करता है। यह एक प्रकार का शारारिक व्यायाम ही नहीं बल्कि जीवात्मा का परमात्मा से पूर्णतया मिलन है। योग शरीर को तो स्वस्थ्य रखता ही है इसके साथ–साथ मन और दिमाग को भी एकाग्र रखने में अपना योगदान देता है। योग मनुष्य में नए–नए सकारात्मक विचारों की उत्पत्ति करता है। जो कि मनुष्य को गलत प्रवृति में जाने से रोकते हैं। योग मन और दिमाग की अशुद्धता को बाहर निकालकर फेंक देता है। योग व्यक्तिगत चेतना को मजबूती प्रदान करता है। योग मानसिक नियंत्रण का भी माध्यम है। हिन्दू धर्म, बौध्द धर्म और जैन धर्म में योग को आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाता है। योग मन और दिमाग को तो एकाग्र रखता है ही साथ ही साथ योग हमारी आत्मा को भी शुध्द करता है। योग मनुष्य को अनेक बीमारियों से बचाता है और योग से हम कई बीमारियों का इलाज भी कर सकते हैं। असल में कहा जाते तो योग जीवन जीने का माध्यम है।

श्रीमद्भागवत गीता में कई प्रकार के योगों का उल्लेख किया गया है। भगवद गीता का पूरा छठा अध्याय योग को समर्पित है। इसमें योग के तीन प्रमुख प्रकारों के बारे में बताया गया है। इसमें प्रमुख रूप से कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग का उल्लेख किया गया है। कर्म योग– कार्य करने का योग है। इसमें व्यक्ति अपने स्थिति के उचित और कर्तव्यों के अनुसार कर्मों का श्रद्धापूर्वक निर्वाह करता है। भक्ति योग– भक्ति का योग। भगवान्‌ के प्रति भक्ति। इसे भावनात्मक आचरण वाले लोगों को सुझाया जाता है। और ज्ञान योग– ज्ञान का योग अर्थात ज्ञान अर्जित करने का योग। भगवत गीता के छठे अध्याय में बताए गए सभी योग जीवन का आधार है। इनके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। भगवद्गीता में योग के बारे में बताया गया है कि – सिद्दध्यसिद्दध्यो समोभूत्वा समत्वंयोग उच्चते। अर्थात दु:ख–सुख, लाभ–अलाभ, शत्रु–मित्र, शीत और उष्ण आदि द्वन्दों में सर्वत्र समभाव रखना योग है। दुसरे शब्दों में कहा जाए तो योग मनुष्य को सुख–दु:ख, लाभ–अलाभ, शत्रु–मित्र, शीत और उष्ण आदि परिस्थितियों में सामान आचरण की शक्ति प्रदान करता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में एक स्थल पर कहा है 'योग : कर्मसु कौशलम' अर्थात योग से कर्मो में कुशलता आती हैं। वास्तव में जो मनुष्य योग करता है उसका शरीर, मन और दिमाग तरोताजा रहता है और मनुष्य प्रत्येक काम मन लगाकर करता है।

27 सितंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में अपने पहले संबोधन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की जोरदार पैरवी की थी। इस प्रस्ताव में उन्होंने 21 जून को ''अंतरराष्ट्रीय योग दिवस'' के रूप में मान्यता दिए जाने की बात कही थी। मोदी की इस पहल का 177 देशों ने समर्थन किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में इस आशय के प्रस्ताव को लगभग सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। और 11 दिसम्बर 2014 को को संयुक्त राष्ट्र में 193 सदस्यों द्वारा 21 जून को ''अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'' को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। प्रधानमंत्री मोदी के इस प्रस्ताव को 90 दिन के अंदर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, जो संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी दिवस प्रस्ताव के लिए सबसे कम समय है। पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया और पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया गया। इस दिन करोड़ों लोगों ने विश्व में योग किया जो कि एक रिकॉर्ड था।
योग दिवस में 'सूर्य नमस्कार' व 'ओम' उच्चारण का कुछ मुस्लिम संगठन विरोध करते रहे हैं। असल में कहा जाए तो 'ओम' शब्द योग के साथ जुड़ा हुआ है। इसे विवाद में तब्दील करना दुर्भागयपूर्ण है। लेकिन इसे हर किसी पर थोपा भी नहीं जा सकता। इसलिए योग करते समय लोगों को 'ओम' उच्चारण को अपनी धार्मिक मान्यता की आजादी के अनुसार प्रयोग करना चाहिए। अगर किसी का धर्म ओम उच्चारण की आजादी नहीं देता तो उन्हें बिना ओम जाप के योग करना चाहिए। लेकिन योग को किसी एक धर्म से जोडकर विवाद पैदा नहीं करना चाहिए। आज के समय में योग को भारत के जन–जन तक योग को पहुंचाने में योग गुरु बाबा रामदेव, आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर सहित अनेकों ऐसे महापुरुषों का अहम् योगदान है। इनके योग के क्षेत्र में योगदान की वजह से ही आज भारत के घर–घर में प्रतिदिन योग होता है।
भगवद्गीता के अनुसार – तस्माद्दयोगाययुज्यस्व योग : कर्मसु कौशलम। अर्थात कर्त्व्य कर्म बंधक न हो, इसलिए निष्काम भावना से अनुप्रेरित होकर कर्त्तव्य करने का कौशल योग है। योग को सभी लोगों को सकारात्मक भाव से लेना चाहिए। कोई भी धर्म–संप्रदाय योग की मनाही नहीं करता। इसलिए लोगों को योग को विवाद में नहीं घसीटना चाहिए। योग बुध्दि कुशाग्र बनाता है और संयम बरतने की शक्ति देता है। योग की जितनी धार्मिक मान्यता है। उतना ही योग स्वस्थ्य शरीर के लिए जरूरी है। योग से शरीर तो स्वस्थ्य रहता है ही साथ ही साथ योग चिंता के भाव को कम करता है। और मनोबल भी मजबूत करता है। योग मानसिक शांति प्रदान करता है और जीवन के प्रति उत्साह और ऊर्जा का संचार करता है। योग मनुष्य में सकारात्मकता तो बढाता है ही, साथ ही साथ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बढाता है। इसलिए लोगों को इस तनाव भरे जीवन से मुक्ति पाने के लिए योग करना चाहिए। और दूसरे लोगों को भी प्रेरित करना चाहिए। जिससे कि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

मन की बेचैनी दूर कर लीजिए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर

चिंता, तनाव या किसी शारीरिक समस्या के कारण मन में बहुत बेचैनी रहती है। कहीं ऐसा तो नहीं कि दिमागी झंझावतों की वजह से आप रातभर करवटें बदलते रहते हों। मन की बेचैनी को दूर करके मन को शांत रखना चाहते हैं तो योग दिवस पर आपके लिए हम लाए हैं मात्र 5 ऐसे उपाय जो आपकी मन की शांति को बढ़ा देंगे।

- **ये तीन प्राणायाम करें** – चंद्रभेदी, सूर्यभेदी और भ्रामरी प्राणायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। इन्हें आसानी से सीखा जा सकता है।
- **योगासन** – योगासनों में जानुशिरासन, सुप्तवज्रासन, पवनमुक्तासन, पश्चिमोत्तानासन, उष्ट्रासन, ब्रह्ममुद्रा या फिर रोज सूर्य नमस्कार करें।
- **ध्यान करें** – यदि उपरोक्त में से कुछ भी नहीं कर सकते हैं तो प्रतिदिन 10 मिनट का ध्यान करें।
- **श्वास प्रश्वास** – यदि उपरोक्त में से कुछ भी नहीं कर सकते हैं तो श्वास प्रश्वास की ये स्टेप करें। सबसे पहले पेट तक गहरी श्वास लें। फिर उससे दोगुने समय तक रोककर रखें और अंत में जितनी देर तक छोड़ते सकते हैं छोड़े। ऐसा कम से कम 10 बार तक करें।
- **योग निद्रा** – प्राणायाम में भ्रामरी और प्रतिदिन पांच मिनट का ध्यान करें। आप चाहें तो 20 मिनट की योग निद्रा लें जिसके दौरान रुचिकर संगीत पूरी तन्मयता से सुनें और उसका आनंद लें। यदि आप प्रतिदिन योग निद्रा ही करते हैं तो यह रामबाण साबित होगी।

विश्व योग दिवस पर कर सकते हैं 10 बहुत सरल आसन

विश्व योग दिवस के अवसार पर जानिए 10 ऐसे सरल योगासन जिन्हें करने से हर तरह के शारीरिक रोग और मानसिक रोग में लाभ मिलता है। यदि आपको शरीर में किसी भी प्रकार की कोई गंभीर समस्या नहीं है तो आप इन आसनों को आजमा सकते हैं।

पादहस्तासन (खड़े होकर)

यह आसन खड़े होकर किया जाता है। इसमें हम दोनों हाथों से अपने पैर के अँगूठे या टखने को पकड़कर सिर को घुटनों से टिका देते हैं। पहले कंधे और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएँ। फिर दोनों हाथों को धीरे–धीरे ऊपर उठाया जाता है। हाथों को कंधे की सीध में लाकर थोड़ा–थोड़ा कंधों को आगे की ओर प्रेस करते हुए फिर हाथों को सिर के ऊपर तक उठाया जाता है। ध्यान रखें की कंधे कानों से सटे हुए हों।

त्रिकोणासन (खड़े होकर)

त्रिकोण या त्रिभुज की तरह। यह आसन खड़े होकर किया जाता है। सबसे पले सावधान की मुद्रा में सीधे खड़े हो जाएं। अब एक पैर उठाकर दूसरे से डेढ़ फुट के फासले पर समानांतर ही रखें। मतलब आगे या पीछे नहीं रखना है। अब श्वास भरें। फिर दोनों बाजुओं को कंधे की सीध में लाएं। अब धीरे–धीरे कमर से आगे झुके। फिर श्वास बाहर निकालें। अब दाएं हाथ से बाएं पैर को स्पर्श करें। बाईं हथेली को आकाश की ओर रखें और बाजू सीधी रखें। इस दौरान बाईं हथेली की ओर देखें। इस अवस्था में दो या तीन सेकंड रुकने के दौरान श्वास को भी रोककर रखें। अब श्वास छोड़ते हुए धीरे धीरे शरीर को सीधा करें। फिर श्वास भरते हुए पहले वाली स्थिति में खड़े हो जाएं। इसी तरह श्वास निकालते हुए कमर से आगे झुके। अब बाएं हाथ से दाएं पैर को स्पर्श करें और दाईं हथेली आकाश की ओर कर दें। आकाश की ओर की गई हथेली को देखें। दो या तीन सेकंड रुकने के दौरान श्वास को भी रोककर रखें। अब श्वास छोड़ते हुए धीरे धीरे शरीर को सीधा करें। फिर श्वास भरते हुए पहले वाली स्थिति में खड़े हो जाएं। यह पूरा एक चरण होगा। इसी तरह कम से कम पांच बार इस आसन का अभ्यास करें।

उष्ट्रासन (बैठकर)

ऊंट के समान दिखाई देने के कारण उष्ट्रासन। वज्रासन की स्थिति में बैठने के बाद घुटनों के ऊपर खड़े होकर पगथलियों के ऊपर एक–एक कर क्रम से हथेलियां रखते हुए गर्दन को ढीला छोड़ देते हैं और पेट को आसमान की ओर उठाते हैं। ये उष्ट्रासन है।

भुजंगासन (लेटकर)

भुंजग अर्थात सर्प के समान। पेट के बल लेटने के बाद हाथ को कोहनियों से मोड़ते हुए लाएं और हथेलियों को बाजूओं के नीचे रख दें। अब हथेलियों पर दबाव बनाते हुए सिर को आकार की ओर उठाएं। यह भुजंगासन है।

शवासन (लेटकर)

शवासन को करना सभी जानते हैं। यह संपूर्ण शरीर के शिथिलीकरण का अभ्यास है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं। समस्त अंग और मांसपेशियों को एकदम ढीला छोड़ दें। चेहरे का तनाव हटा दें। कहीं भी अकड़न या तनाव न रखें। अब धीरे–धीरे गहरी और लंबी श्वास लें। महसूस करें की गहरी नींद आ रही है। इसका अभ्यास प्रतिदिन 10 मिनट तक करें।

ताड़ासन (खड़े होकर)

इससे शरीर की स्थिति ताड़ के पेड़ के समान हो जाती है, इसीलिए इसे ताड़ासन कहते हैं। ताड़ासन और वृक्षासन में फर्क होता है। यह आसन खड़े होकर किया जाता है। पंजे के बल खड़े रहकर दोनों होथों को उपर ले जाकर फिर फिंगर लॉक लगाकर हाथों के पंजों को ऊपर की ओर मोड़ दें और अर्थात हथेलियां आसमान की ओर रहें। गर्दन सीधी रखें। यह ताड़ासन है।

भुजंगासन (पेट के बल लेटकर)

भुंजग अर्थात सर्प के समान। पेट के बल लेटने के बाद हाथ को कोहनियों से मोड़ते हुए लाएं और हथेलियों को बाजूओं के नीचे रख दें। अब हथेलियों पर दबाव बनाते हुए सिर को आकार की ओर उठाएं। यह भुजंगासन है।

शयन पाद संचालन (पीठ के बल लेटकर)

लेटी हुई अवस्था में पैरों का संचालन करना ही शयन पाद संचालन आसन है। यह ठीक उसी तरह है जबकि कोई बच्चा लेटे–लेटे साइकल चला रहा हो। यह आसन दो तरह से किया जा सकता है। पहला तरीका बहुत ही साधारण है और दूसरा तरीका स्टेप बाई स्टेप है। पीठ के बल भूमि पर लेट जाएं। हाथ जंघाओं के पास। पैर मिले हुए। अब धीरे से पैर और हाथ एकसाथ उठाकर हाथ–पैरों से साइकल चलाने का अभ्यास करें। थक जाएं तो कुछ देर शवासन में विश्राम करके पुन: अपनी सुविधा अनुसार यह प्रक्रिया करें।

नौकासन (पेट और पीठ के बल लेटकर)

नियमित रूप से यह आसन न सिर्फ पेट की चर्बी कम करने में मददगार है बल्कि शरीर को लचीला बनाने से लेकर पाचन संबंधी समस्याओं में यह काफी फायदेमंद साबित हुआ है। यह आसन पेट के बल और पीठ के बल लेटकर किया जाता है। पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले आसन को विपरीत नौकासन कहते हैं। यह दोनों ही आसन करना चाहिए।

आंजनेयासन (घुटने और पंजों के बल)

हनुमान जी का एक नाम आंजनेय भी है। यह आसन उसी तरह किया जाता है जिस तरह हनुमानजी अपने एक पैर का घुटना नीचे टिकाकर दूसरा पैर आगे रखकर कमर पर हाथ रखते हैं। अंजनेय आसन में और भी दूसरे आसन और मुद्राओं का समावेश है। सर्वप्रथम वज्रासन में आराम से बैठ जाएँ। धीरे से घुटनों के बल खड़े होकर पीठ, गर्दन, सिर, कूल्हों और जांघों को सीधा रखें। हाथों को कमर से सटाकर रखें सामने देंखे। अब बाएं पैर को आगे बढ़ाते हुए 90 डिग्री के कोण के समान भूमि कर रख दें। इस दौरान बायां हाथ बाएं पैर की जंघा पर रहेगा। फिर अपने हाथों की हथेलियों को मिलाते हुए हृदय के पास रखें अर्थात नमस्कार मुद्रा में रखें। श्वास को अंदर खींचते हुए जुड़ी हुई हथेलियों को सिर के ऊपर उठाकर हाथों को सीधा करते हुए सिर को पीछे झुका दें। इसी स्थिति में धीरे–धीरे दाहिना पैर पीछे की ओर सीधा करते हुए कमर से पीछे की ओर झुके। इस अंतिम स्थिति में कुछ देर तक रहे। फिर सांस छोड़ते हुए पुन: वज्रासन की मुद्रा में लौट आए। इसी तरह अब यही प्रक्रिया दाएं पैर को 90 डिग्री के कोण में सामने रखते हुए करें।